मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

गणपति विसर्जन के लिए प्रशासन तैयार

ड्रोन कैमरे से रखी जाएगी नजर

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई सहित पूरे राज्य में भगवान गणेश के विसर्जन के लिए पुलिस, राज्य प्रशासन और स्थानीय गर निगम ने तैयारी पूरी कर ली है। पुलिस प्रशासन ने विसर्जन स्थल और जुलूस मार्ग पर ड्रोन कैमरे से नजर रखने का निर्णय लिया है। इसके साथ गणपति बप्पा की विदाई के लिए मुंबई में चप्पे पर पुलिस को तैनात किया जाएगा।

विसर्जन जुलूस पर आसमान से नजर

मुंबई में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन कैमरों का नेटवर्क लगाया जाएगा और विसर्जन जुलूस पर आसमान से नजर रखी जाएगी। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। विसर्जन स्थलों पर राज्य रिजर्व पुलिस बल, रैपिड एक्शन फोर्स, दंगा नियंत्रण दस्ता भी तैनात किया जाएगा। मुंबई पुलिस ने सडक़ यातायात में भी बदलाव किया है। कई बेस्ट बसों के रूट बदल दिए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मध्य और पश्चिम रेलवे पर विशेष लोकल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

मुंबई पुलिस बल के 23,400 पुलिसकर्मियों की एक टुकड़ी तैनात

जानकारी के अनुसार गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश मुंबई सहित महाराष्ट्र के बड़े मंडलों में और घरों में विराजमान हुए थे। दस दिनों के लिए भक्तों ने भगवान गणेश का हर्ष और उल्हास के साथ पूजा अर्चना की और अनंत चतुर्दशी के दिन मुंबई से विसर्जन के लिए सभी चौक-चौराहों और जुलूस मार्गों पर भारी सुरक्षा व्यवस्था की जायेगी। इसके लिए मुंबई पुलिस बल के 23,400 पुलिसकर्मियों की एक टुकड़ी तैनात की गई है। साथ ही 2,900 पुलिस अधिकारियों और 20,500 पुलिसकर्मियों को विसर्जन के दिन तैनाती के लिए तैयार किया गया है। 40 पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) और 50 सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सुरक्षा की निगरानी करेंगे। इस गणेश विसर्जन जुलूस की निगरानी 71 कंट्रोल रूम से की जाएगी। मुंबई के मशहूर लालबाग के राजा के विसर्जन का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

'सत्ता में आते ही लागू करेंगे ओपीएस'

उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर खेला बड़ा दांव

मुनीब चौरसिया । मुंबई

रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के मराठवाडा दौरे के दौरान पुरानी पेंशन योजना की मांग के लिए आयोजित महासम्मेलन में उद्धव ने आंदोलनकारी कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि हमारी सरकार सत्ता में आएगी तो पुरानी पेंशन योजना को तुरंत लागू करेगी। उद्धव ठाकरे ने आव्हान करते हुए कहा कि आप लोग पेंशन की मांग को लेकर अनशन न करें क्योंकि जनता पहले ही भूखी है। इसलिए अब अनशन नहीं बल्कि सत्ताधारियों को सत्ता के लिए भूखे रखने हेतु आंदोलन होना चाहिए। ऐसा दृढ़ निश्चय कर लें और आंदोलन की मशाल जलने के बाद सरकार के चमचों को उस पर पानी नहीं डालने देना। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना के लिए हम सभी को साथ आकर अपनी सरकार लाने के लिए प्रयास करना होगा। आपका क्रंदन सरकार के कानों तक नहीं पहुंच रहा है। इसलिए आप सभी को साथ लाकर अपनी सरकार बनानी होगी। आप की मांग को हम स्वीकार करेंगे।

सियासी लोगों के पेंशन पर सवाल

उद्धव ठाकरे ने कहा कि सियासी लोगों को कितनी पेंशन मिलती है और आप लोगों को कितनी पेंशन मिलती है? इस अंतर से आप लोग वाकिफ हैं। सरकार आप लोग चलाते हैं। कोरोना काल में आपने काम किया, इसलिए यह राज्य बचा। सरकार भले ही योजना बनाती है लेकिन उन योजनाओं को घर-घर जाकर लागू आप लोग करते हैं। यदि आप साथ नहीं दें तो कोई सरकार रही नहीं सकती।

लाडली बहन योजना पर तंज

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पर तंज कसते हुए कहा कि बहन को पता ही नहीं चलता कि भाई कौन है? हर कोई कह रहा है कि मैं ही तुम्हारा भाई हूं लेकिन भाई नहीं ये सब मुफ्त खोर हैं। ये सब जनता के पैसों पर मुफ्तखोरी करने वाले लोग हैं।

सत्ता की चिंता नहीं

उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुझे सत्ता की चिंता नहीं है। मुझे जनता की चिंता है। राज्य के हर परिवार की चिंता है। सत्ता आती-जाती है। गई हुई सत्ता को हम निश्चित तौर पर वापस लाएंगे। सरकार अब जानेवालों में शामिल हो गई है। इसलिए उनसे पेंशन कैसी, उन्हें टेंशन देने का वक्त आ गया है। जोड़ तोड़ की राजनीति चल रही है। इसलिए हम सभी को एक रहना होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

बेकाबू कार ने बाइक सवारों को रौंदा, नाबालिग की मौत

मुंबई। मुंबई के दहिसर में हिट एंड रन केस में किशोर की जान चली गई। एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में 17 वर्षीय लड़के की इलाज के दौरान मौत हो गई है और एक अन्य किशोर घायल है। पुलिस ने कई धाराओं और मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। बाइक को टक्कर मारने वाली कार और आरोपियों की तलाश जारी है। महाराष्ट्र में हिट एंड रन के केस कई केस सामने आए हैं। मुंबई और पुणे के बाद अब दहिसर में नया मामला सामने आया है। यहां एक कार चालक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इसमें एक की मौत हो गई है जबकि, दूसरा गंभीर रूप से घायल है। मिली जानकारी के अनुसार, बीते शुक्रवार को करण राजपूत और उसका दोस्त आदित्य बाइक पर सवार होकर दहिसर से कांदिवली जा रहे थे। पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान आदित्य की मौत हो गई। करण की हालत गंभीर है और उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इसमें लापरवाही से मौत, जान जोखिम में डालना और लापरवाही से गाड़ी चलाना जैसी धाराएं भी शामिल है। पुलिस अब वाहन की पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

पिकअप वैन-कार की सीधी टक्कर, 3 महिलाओं समेत 6 की दर्दनाक मौत

धुले। धुले जिले में रविवार को एक वैन और कार की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए हैं। मामले पर पुलिस ने बताया कि यह हादसा सुबह शिंदखेड़ा तालुका के दासवेल फाटा में हुआ। बताया गया कि एक वैन के एक कार से टकरा जाने से तीन महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह भी बताया कि इस हादसे में चार लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर है कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना के समय वैन का चालक नशे में था, उसे मामूली चोटें आईं हैं। उन्होंने बताया कि नरदाना पुलिस घटना की जांच कर रही है।

यौन उत्पीड़न के आरोपों में अस्पताल का सहायक प्रोफेसर निलंबित

मुंबई। मुंबई सेंट्रल स्थित सरकारी नायर अस्पताल के एक सहायक प्रोफेसर को एक छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को आरोपी सहायक प्रोफेसर को निलंबित कर दिया गया और एक समिति इस घटना की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि इस जांच समिति के निष्कर्षों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला

खतरे में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों की नौकरी

अमित बृज । मुंबई

विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की महायुति सरकार एक तरफ तमाम वर्गों को साथ जोड़ने के लिए नई-नई योजनाएं ला रही है तो वहीं दूसरी तरफ सरकार के एक निर्णय के कारण स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों की सरकारी नौकरी खतरे में पड़ने की आशंका उत्पन्न हो गई है। इस संबंध में जारी किए गए एक सरकारी जीआर के अनुसार, निर्धारित पद्धति से नियुक्ति के बजाय सीधी नियुक्ति वाले कर्मचारियों की नौकरी खतरे में पड़ जाएगी।

आदेश जारी

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्ववाली राज्य सरकार ने उन स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों की सरकारी नौकरियों को खत्म करने का फैसला लिया है, जिन स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार और निर्धारित प्रक्रिया से नियुक्त किए जाने की बजाय सीधे नियुक्त किया गया है। सरकार ने उनकी सेवाओं को समाप्त करने के आदेश जारी कर दिया है।

कलेक्टरों को दिए गए निर्देश

सरकार के इस फैसले से स्वतंत्रता के बच्चों में खलबली मच गई है। क्योंकि राज्य सरकार ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया है कि इस फैसले को तत्काल लागू करें और कार्रवाई के संबंध में रिपोर्ट दें। इस संबंध में सरकार का फैसला महाराष्ट्र सरकार की वेबसाइट www.maharashtra.gov.in पर उपलब्ध कराया गया है।

प्रभावित होंगे 3000 कर्मचारी

इस फैसले से महाराष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों के करीब 3000 बच्चों की नौकरियां खत्म होनी तय हो गई है। विधानसभा चुनाव से पहले लिए गए राज्य सरकार के इस फैसले से बड़ा विवाद खड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। 'जय भगवान महासंघ' ने फैसले का विरोध करने की घोषणा की है। संघ से जुड़े बालासाहेब सनप ने सरकार के फैसले के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है।

'सत्ताधारियों में सत्ता का अहंकार'

शरद पवार ने PM मोदी पर कसा तंज

नितिन तोरस्कर । मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र की महायुति सरकार पर जोरदार हमला बोला। धुले जिले के शिंदखेडा में किसानों की सभा को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि मौजूदा सरकारों की किसानों में कोई दिलचस्पी नहीं है। इस दौरान उन्होंने किसानों से आगामी विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी को समर्थन देने और राज्य का चेहरा बदलने की अपील की। शरद पवार ने कहा कि शिंदखेड़ा मेहनतकश किसानों का इलाका है। किसान काली माता के प्रति आस्था रखने, उत्पादन प्राप्त करने, दुनिया चलाने और समाज को देने का काम किसान करते हैं। लेकिन मौजूदा शासकों की कृषि में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनकी नीतियां कृषि के हित में नहीं हैं। पीएम मोदी की सरकार में प्याज की निर्यात बंदी करके नासिक, पुणे, सतारा के किसानों को मुश्किलों में डाला।

'मौजूदा सरकार किसान विरोधी'

शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि देश में गन्ने का उत्पादन महाराष्ट्र में होता है लेकिन गन्ने को उचित दाम नहीं मिलता है, क्योंकि सरकार किसान विरोधी है। उन्होंने आगे कहा कि मैं दस वर्षों तक कृषि विभाग का प्रभारी था। यह अन्नदाता किसानों का देश, ये देश पहले गेहूं आयात कर रहा था, लेकिन हमारे नेतृत्व में निर्यातक देश बन गया, किसान के सिर पर कर्ज था, किसान आत्महत्या कर रहे थे और दिल्ली ने कर्ज माफ करने का निर्णय लिया, लेकिन मौजूदा सरकार किसान विरोधी। इसे चुनाव में हैसियत दिखा देंगे।

सत्ता का दुरुपयोग हो रहा

उन्होंने कहा कि शिंदखेड़ा तहसील में सत्ता का दुरुपयोग हो रहा है। यहां एक तरह की गुंडागर्दी चल रही है। हेमंत देशमुख जैसे नेता को जेल में डाला गया। यह सत्ता का अहंकार है। पवार ने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार लोगों की सेवा के लिए है, सत्ता की गर्मी कुछ लोगों के सिर चढ़ गई है। सत्ता के उन्माद को इस चुनाव में अपनी हैसियत दिखानी हैं।

लाडली बहन पर निशाना

इस दौरान शरद पवार ने राज्य की महायुति सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहन (लाडली बहन) योजना के मार्फत बहनों (महिलाओं) को 1500 रुपए दे रही है। लेकिन उनकी सुरक्षा और इज्जत की रक्षा का क्या? सरकार का इस ओर ध्यान ही नहीं है।

जल्द ही मुंबई से जुड़ जाएंगे पुणे-बेंगलुरु

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर खत्म हो जाएगा 50% ट्रैफिक

धीरज सिंह । मुंबई

मायानगरी मुंबई से अन्य शहरों को कनेक्ट करने की कवायत तेज है। ट्रैफिक के लिए बाधा बने समुद्र के किनारे 14 लेन की सड़क बनाकर पुणे को सीधा जोड़ा जाएगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि समुद्र पर बने अटल सेतु के नजदीक प्रस्तावित 14 लेन की सड़क बनने से मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर मौजूदा यातायात में 50 प्रतिशत की कमी आएगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सड़क एक रिंग रोड के माध्यम से पुणे को जोड़ेगी। गडकरी अभियंता दिवस के अवसर पर सीओईपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित पूर्व छात्र समारोह में मुंबई-बेंगलुरु के लिए सड़क योजनाओं के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात का भारी दबाव है। अटल सेतु के पास 14 लेन की सड़क

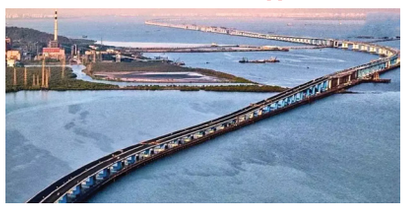

बनाई जाएगी तो यह सड़क मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात को 50 प्रतिशत तक कम कर देगी। यह सड़क आगे रिंग रोड के माध्यम से पुणे और फिर बेंगलुरु से जुड़ेगी। अटल सेतु देश में समुद्र पर बना सबसे लंबा पुल है और यह मुंबई के शिवड़ी को नवी मुंबई से जोड़ता है। गडकरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है और अगले 25 वर्षों में सभी वाहन जीवाश्म ईंधन से नहीं बल्कि बिजली से चलेंगे।

नवंबर के दूसरे सप्ताह में होंगे विधानसभा चुनाव !

सीएम शिंदे ने दिए संकेत

अरुण लाल । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि राज्य विधानसभा चुनाव नवंबर के दूसरे सप्ताह में होने की उम्मीद है और सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे को अगले 8 से 10 दिनों में अंतिम रूप दिया जाएगा। शिंदे ने मुंबई में अपने आधिकारिक आवास 'वर्षा' में मीडियाकर्मियों के साथ अनौपचारिक बातचीत में कहा कि 288 सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए दो चरण का मतदान बेहतर होगा।

'नवंबर के दूसरे सप्ताह में चुनाव होने की संभावना'

उन्होंने कहा कि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा की महायुति सरकार विकास और कल्याण उपायों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और उसे लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। सीएम ने कहा, 'नवंबर के दूसरे सप्ताह में चुनाव होने की संभावना है। दो चरणों का चुनाव बेहतर होगा। महायुति सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के लिए योग्यता और अच्छी स्ट्राइक रेट मानदंड होंगे।' उन्होंने कहा कि सीटों के बंटवारे को 8 से 10 दिनों में अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

'1.5 लाख युवाओं को नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र'

शिंदे ने कहा कि वह महिलाओं के बीच सरकार के लिए समर्थन देख सकते हैं और उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आम आदमी की सरकार है। उन्होंने ये भी कहा, 'हमने विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बीच संतुलन बनाया है।' कुशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 1.5 लाख युवाओं को नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दिये गये हैं, जिसके लिए उन्हें 6,000 रुपये से 10,000 रुपये तक का वजीफा मिलेगा। सीएम ने कहा कि 10 लाख युवाओं को कवर करने का लक्ष्य है। शिंदे ने यह भी कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य मुंबई को झुग्गी-झोपड़ी मुक्त बनाना और सभी के लिए किफायती आवास सुनिश्चित करना है।

महाराष्ट्र को 6600 MW बिजली सप्लाई करेगा अडाणी ग्रुप

4.08 रुपए प्रति यूनिट की बोली लगाई, JSW एनर्जी और टॉरेंट पावर को पीछे छोड़ा

दीपक पवार । मुंबई

अडाणी ग्रुप ने महाराष्ट्र को लॉन्ग टर्म के लिए 6600 मेगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी और थर्मल पावर की सप्लाई के लिए बोली जीत ली है। कंपनी ने इसके लिए 4.08 रुपए प्रति यूनिट की बोली लगाई और JSW एनर्जी और टॉरेंट पावर को पीछे छोड़ दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 25 साल के लिए रिन्यूएबल और थर्मल एनर्जी दोनों की सप्लाई के लिए अडाणी ग्रुप की बोली महाराष्ट्र द्वारा फिलहाल खरीदी जा रही बिजली की दर से एक रुपए यूनिट कम है। इससे राज्य को भविष्य की बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

48 महीने में बिजली की सप्लाई शुरू होनी है

लेटर ऑफ इंटेंट (LoI) जारी होने की तारीख से 48 महीने में बिजली की सप्लाई शुरू होनी है। बोली शर्तों के अनुसार, अडाणी पावर पूरी सप्लाई अवधि के दौरान सोलर पावर की सप्लाई 2.70 रुपए प्रति यूनिट की दर पर करेगी। वहीं कोयले से बनी बिजली का दाम कोयला कीमतों के आधार पर तय (इंडेक्स्ड) किया जाएगा। महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (MSEDCL) ने मार्च में सनलाइट से जनरेटेड 5000 मेगावाट बिजली और कोल से जनरेटेड 1600 मेगावाट बिजली की खरीद के लिए एक यूनिक टेंडर निकाला था। इसे लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले जारी किया गया था और राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले इसे अडाणी ग्रुप को दे दिया गया है। इस टेंडर में व्यस्त समय में बिजली की मांग को पूरा करने के लिए सोलर पावर और थर्मल इलेक्ट्रिसिटी दोनों की सप्लाई शामिल है।

अडाणी पावर ने 4.08 रुपए प्रति यूनिट की बोली लगाई

सूत्रों के मुताबिक, अडाणी पावर ने कॉन्ट्रैक्ट जीतने के लिए 4.08 रुपए प्रति यूनिट की बोली लगाई। वहीं दूसरी सबसे कम बोली 4.36 रुपए प्रति यूनिट JSW एनर्जी की थी। यह महाराष्ट्र में पिछले साल खरीदी गई औसत बिजली कीमत 4.70 रुपए प्रति यूनिट से कम है।

2024-25 के लिए बिजली खरीद की औसत कीमत 4.97 रुपए प्रति यूनिट

महाराष्ट्र इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (MERC) ने 2024-25 के लिए बिजली खरीद की औसत कीमत 4.97 रुपए प्रति यूनिट तय की है। इस तरह अडाणी द्वारा लगाई गई बोली इससे एक रुपए प्रति यूनिट के करीब कम है। कुल मिलाकर चार कंपनियों ने 25 साल के लिए पावर सप्लाई के टेंडर में भाग लिया। देश के प्राइवेट सेक्टर की सबसे बड़ी थर्मल पावर प्रोड्यूसर अडाणी पावर की प्रोडक्शन कैपेसिटी 17 गीगावाट से ज्यादा है, जो 2030 तक बढ़कर 31 गीगावाट हो जाएगी। इसकी सहयोगी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड 11 गीगावाट की प्रोडक्शन कैपेसिटी के साथ देश की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है। इसे 2030 तक बढ़ाकर 50 गीगावाट करने का टारगेट है।

मुख्यमंत्री की रेस में आतिशी सबसे आगे

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा होने के बाद अगले सप्ताह दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा होगी। सीएम की रेस में पार्टी के कई बड़े चेहरे शामिल हैं, लेकिन इनमें सबसे आगे शिक्षा मंत्री आतिशी का नाम है। दिल्ली सरकार में अभी के समय सबसे अधिक मंत्रालय एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आतिशी के पास है। वह पार्टी को संभालने में जहां अहम भूमिका निभाती रही है तो वहीं केजरीवाल का भी विश्वास उन पर अधिक रहता है। आप के सूत्रों ने बताया कि दो दिन बाद केजरीवाल जब इस्तीफा देंगे तो उसके बाद पार्टी के विधायकों की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें नए मुख्यमंत्री का नाम सर्वसम्मति से तय किया जाएगा। रविवार को

इस्तीफे का ऐलान करने के साथ ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया के भी सरकार में शामिल नहीं होने की पुष्टि कर दी। इसके चलते दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के लिए जो दावेदार हैं, उनमें आतिशी, सुनीता केजरीवाल, सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय और कैलाश गहलौत के नाम प्रमुख हैं। पार्टी का दावा है कि मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा के बाद अगले सप्ताह इसकी घोषणा हो जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि केजरीवाल का इस्तीफा होने के साथ ही कैबिनेट भी भंग हो जाएगी।

महाविकास आघाड़ी का संयुक्त घोषणा पत्र

दोपहर संवाददाता । मुंबई

इसी साल हुए लोकसभा चुनाव में महाविकास आघाडी के तीनों दलों कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और राकांपा (शरद) ने अपना घोषणा पत्र अलग-अलग जारी किया था। लेकिन तीनों ही दलों के घोषणा पत्र में मुद्दे लगभग एक जैसे ही थे। खबर है कि आगामी विधानसभा चुनाव में तीनों ही दल संयुक्त घोषणा पत्र जारी करने पर विचार कर रहे हैं, जिसे न्याय पत्र नाम दिया जा सकता है। महाआघाडी के तीनों दल घोषणा पत्र के मसौदों को लेकर तैयारी में जुटे हुए हैं। तीनों ही दलों ने किसानों की कर्ज माफी को अपने घोषणा पत्र में शामिल करने का फैसला कर लिया है।

घोषणा पत्र में सिर्फ घोषणाएं होती हैं- पावसकर

महाविकास आघाडी के घोषणा पत्र में कर्ज माफी के मुद्दे के शामिल होने की खबर पर शिवसेना (शिंदे) प्रवक्ता किरण पावसकर ने कहा कि दरअसल आघाडी की राज्य में सरकार ही नहीं आने वाली है, इसलिए वह इस तरह के बड़े-बड़े मुद्दे घोषणा पत्र में शामिल कर रहे हैं। पावसकर ने कहा कि घोषणा पत्र में सिर्फ घोषणाएं होती हैं, बाकी कुछ नहीं होता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पहले ही किसानों को पेंशन और अन्य योजनाएं दे रही है, इसलिए राज्य के किसान आघाडी के दलों के बहकावे में नहीं आने वाले हैं।

राज्य के किसान हमारे अन्नदाताः पटोले

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि राज्य के किसान हमारे अन्नदाता हैं, लेकिन महायुति की मौजूदा सरकार अन्नदाता को कर्ज के तले धकेलती जा रही है। पटोले ने कहा कि राज्य में पहले सूखे की स्थिति और उसके बाद अब बाढ़ ने किसानों की फसलों को बर्बाद कर दिया है। हम राज्य की महायुति सरकार से कई बार मांग कर चुके हैं कि कर्ज के बोझ के तले महाराष्ट्र के

हजारों किसानों को राहत दी जाए, लेकिन सरकार को किसानों के हित के बारे में सोचने के लिए समय नहीं है। उन्होंने कहा कि युति सरकार के कार्यकाल के दौरान हजारों किसान आत्महत्या कर चुके हैं, लेकिन सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। पटोले ने कहा कि राज्य में हमारी सरकार आने के बाद हम किसानों की कर्ज माफी का फैसला सबसे पहले करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के कर्ज माफी के मुद्दे को पार्टी के घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा।

तीनों ही दलों का एक जैसा घोषणा पत्र

राकांपा (शरद) मुख्य प्रवक्ता महेश तपासे ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी तीनों ही दलों का एक जैसा घोषणा पत्र होगा। जिसमें किसानों के मुद्दे प्रमुखता के साथ होंगे। तपासे ने कहा कि राज्य के किसान अपनी मांगों को लेकर कई बार आंदोलन कर चुके हैं लेकिन महायुति की सरकार ने कभी भी किसानों के मुद्दों को प्रमुखता से नहीं लिया। राज्य सरकार लोकलुभावन वादे के साथ चुनाव लड़ना चाहती है, लेकिन हमारी पार्टी और आघाडी के सहयोगी दल किसानों के साथ खड़े हैं। हमारी सरकार आने पर किसानों को हर संभव मदद दी जाएगी।

आनंद दिघे आश्रम में नोट लुटाने वाले शिवसेना नेताओं पर एक्शन

दोनों पार्टी से निष्कासित

12 सितंबर की है घटना

यह घटना बीते 12 सितंबर को गणेश उत्सव के समय की है। एक वीडियो में कुछ स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता आनंद आश्रम में दिघे की तस्वीर के सामने नाचते और पैसे बरसाते नजर आ रहे हैं। इसी आनंद आश्रम के एक कमरे में आनंद दिघे रहते थे। आनंद आश्रम में हुई इस घटना से आक्रोश फैल गया था। आनंद दिघे की तस्वीर के सामने नोट उड़ाने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। जिसको लेकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने शिंदे गुट पर जोरदार हमला बोला था।

दोपहर संवाददाता । ठाणे

शिवसेना ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सियासी गुरु दिवंगत आनंद दिघे की तस्वीर के सामने कुछ लोगों के नाचने और नोट बरसाने का वीडियो सामने आने के बाद पार्टी की ठाणे इकाई के दो पदाधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। आनंद दिघे आश्रम को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गुरुस्थान माना जाता है।

सांसद नरेश म्हास्के ने इस घटना को लेकर नाराजगी जताई

दिघे आनंद आश्रम से शिवसेना की ठाणे इकाई का संचालन करते थे। इस वीडियो की क्लिप बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मुख्यमंत्री शिंदे और ठाणे से सांसद नरेश म्हास्के ने इस घटना को लेकर नाराजगी जताई और इसे ''बेहद अप्रिय" बताया। इस पत्र में लिखा है कि दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे का ठाणे में आनंदश्रम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ-साथ शिवसैनिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि दिघे जिस सम्मानजनक तरीके से इस प्रकार के उत्सवों को मनाते थे यह घटना उसके विपरीत है। म्हास्के द्वारा शनिवार रात को जारी आदेश के अनुसार इस मामले में पार्टी के दो पदाधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। आदेश में बर्खास्त किए गए पदाधिकारियों के पदों के बारे में नहीं बताया गया। CM शिंदे की पार्टी ने ऐसे समारोहों के दौरान संयमित आचरण की आवश्यकता पर जोर दिया।

महिला बैंककर्मी के साथ दुष्कर्म

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई में 41 वर्षीय एक बैंककर्मी पर कथित रूप से यौन हमला करने को लेकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत पर पनवेल थाने में एक मामला दर्ज किया गया और आरोपी को भारतीय न्याय संहिता के संबंधित प्रावधानों के तहत शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

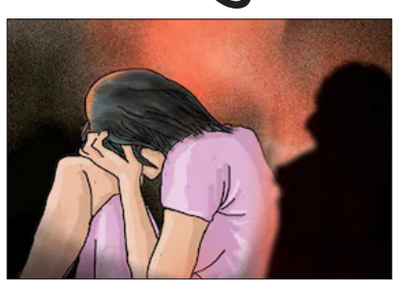

महिला बैंककर्मी से दोस्ती कर बनाए शारीरिक संबंध

उन्होंने बताया कि बैंक में चालक की नौकरी करने वाले आरोपी ने कुछ महीने पहले उक्त महिला बैंककर्मी से दोस्ती की तथा उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। अधिकारी ने बताया कि उसने महिला की सहमति के बगैर इस यौन संबंध का कथित रूप से वीडियो बना लिया एवं फोटो खींच लिये तथा बाद में उसने उनका इस्तेमाल पीड़िता को धमकी देने के लिए किया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने कथित रूप से इस रिकार्डिंग को पीड़िता के परिवार तथा बैंक में सहकर्मियों के साथ साझा करने की धमकी देकर उसका यौन शोषण किया। अधिकारी ने बताया कि जब महिला आरोपी की जोर-जबर्दस्ती का विरोध करने लगी तब वह उसे कथित रूप से गाली गलौच और उसके साथ मारपीट करता था। अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

मुंबई-दोहा फ्लाइट के लेट होने से एयरपोर्ट पर हंगामा

उड़ान रद्द हुई तो कंपनी को मांगनी पड़ी माफी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई से दोहा जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट के लेट होने पर आज एयरपोर्ट पर खूब हंगामा हुआ। फ्लाइट के कई घंटे लेट होने के बाद लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोहा जाने वाली उड़ान 6E 1303 को 3 बजकर 55 मिनट पर टेक ऑफ करना था और यात्री बैठ भी गए थे, लेकिन कई घंटों तक लेट होने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। इंडिगो एयरलाइंस ने फ्लाइट रद्द होने के बाद माफी मांगी है और कहा कि ग्राहकों को होटल मुहैया

कराए जा रहे हैं और उनके अंतिम गंतव्य के अनुसार बुकिंग की जा रही है। इससे पहले तकनीकी कारणों से उड़ान में देरी हुई थी, लेकिन बाद में देरी के कारण इसे रद्द कर दिया गया। फ्लाइट लेट होने पर लोगों ने काफी नाराजगी जताई थी। यहां तक की ये भी आरोप लगाए गए कि उन्हें ना पानी मिला न ही कुछ खाना।

पहले भी हो चुकी है गड़बड़

इससे पहले 7 सितंबर को इंडिगो एयरलाइंस ने विमान के एयर कंडीशनिंग सिस्टम में खराबी आने के बाद दिल्ली-वाराणसी उड़ान में सवार यात्रियों को हुई परेशानियों के लिए माफी मांगी थी। इससे विमान में अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई थी। पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए, इंडिगो ने कहा था कि एसी ठीक से काम कर रहा था, लेकिन तापमान में बदलाव के कारण केबिन गर्म हो गया, जिससे यात्रियों में घबराहट फैल गई।

क्राइम ब्रांच की टीम ने जुआखाना पर मारा छापा

3 दर्जन लोगों को किया गया गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस कई गंभीर से गंभीर मामलों को सुलझा कर मिसाल पेश कर चुकी है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बार फिर से बड़ा खुलासा किया है। क्राइम ब्रांच की टीम ने एक जुआखाना पर छापा मारकर लाखों रुपये बरामद किए हैं। साथ ही तकरीबन 3 दर्जन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

पुलिस के छापे से हर तरफ हड़कंप मच गया। पुलिस की टीम ने जब अंदर का नजारा देखा तो वह भी हैरान रह गई। जानकारी के अनुसार, मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच को महानगर के बायकुला एरिया में जुए के अड्डे चलने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद उच्चाधिकारियों ने तेज तर्रार जवानों के साथ टीम का गठन किया और इन अड्डों पर छापा मारने के लिए भेजा गया। क्राइम ब्रांच की टीम सुबह होने से पहले ही एरिया में पहुंच गई और धड़ाधड़ छापा मारने लगी। इन जुआखानों के मालिकों और वहां जुआ खेल रहे लोगों को पहले तो कुछ समझ ही नहीं आया कि यह क्या हो रहा है, जब तक वे सब कुछ समझ पाते पुलिसवाले उन्हें हथकड़ी पहना चुकी थी।

लाल बाग के राजा के दर्शन के लिए आम जनता और वीआईपी भक्तों में भेदभाव

शिकायत दर्ज

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई में गणपति का भव्य मंदिर है, जिसे लाल बाग के राजा के नाम से जाना जाता है। लाल बाग के राजा की एक झलक पाने के लिए लोग लाखों की संख्या में कतारों में लगते हैं। गणेश महोत्सव पर मुंबई के लाल बाग के राजा सबसे ज्यादा चर्चा में रहते हैं। इसी बीच लाल बाग के पंडाल में दर्शन के दौरान वीआईपी और गैर-वीआईपी भेदभाव को लेकर मुंबई पुलिस कमिश्नर के समक्ष शिकायत की गई है। दरअसल, यह शिकायत बॉम्बे हाई कोर्ट के एडवोकेट एडवोकेट आशीष राय, पंकज मिश्रा के द्वारा दर्ज कराई

गई है। शिकायत में बताया गया है कि लाल बाग गणपति बाप्पा महाराज के पंडाल में व्यवस्थापकों के द्वारा बाप्पा के दर्शन के दौरान छोटे बच्चे, महिला, बुजुर्ग दंपति, अपाहिज व्यक्ति, गर्भवती महिला दर्शनार्थियों के साथ भेदभाव किया जाता है।

क्या है शिकायत में?

शिकायत में बताया गया है कि वीआईपी और गैर-वीआईपी दर्शन के तहत सामान्य दर्शनार्थियों के साथ पंडाल में व्यवस्थापक और अन्य लोगों के द्वारा मारपीट, अपशब्दों का प्रयोग एवं अमानवीय अत्याचार किया जाता है। इससे यह स्पष्ट है कि यह व्यवस्था लापरवाही के तहत जानलेवा दर्शन व्यवस्था की तरह है। शिकायत में बताया गया है कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान बप्पा के पंडाल में मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य सभी सरकारी एवं पंडाल के संस्थापक सहित पंडाल प्रबंधक भी मौजूद रहते है। शिकायत में आगे बताया गया है कि प्रत्येक वर्ष इसी तरह की व्यवस्था के साथ आम जनता को भेदभाव के साथ तकलीफों में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दर्शन प्राप्त हो रहा है। शिकायत के तहत बताया गया है कि अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) और अनुच्छेद 21 के तहत (सामान्य जनता के भी सुरक्षा एवं अन्य सुविधा की व्यवस्था) की जानी चाहिए। दर्शनार्थियों के साथ दर्शन के दौरान भेदभाव के तहत उनके धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं किया जाना चाहिए।

छात्रा से यौन उत्पीड़न, रिक्शा चालक ने की दुष्कर्म की कोशिश

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई के चेंबूर इलाके में एक रिक्शा चालक द्वारा स्कूली छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। इस मामले में मुंबई की चेंबूर पुलिस ने अज्ञात रिक्शा चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश कर रही है।

चेंबूर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना 22 जुलाई से 13 सितंबर के बीच की है। बताया जाता है कि नाबालिग पीड़िता अपने परिवार के साथ कुर्ला में रहती है और चेंबूर के एक स्कूल में पढ़ती है। छात्रा ने स्कूल जाने के लिए रिक्शा पकड़ा था, लेकिन रिक्शा चालक ने उसे अकेली देखकर फायदा उठाया और चेंबूर नाका के पास एक सुनसान इमारत में ले गया। जहां उसने छात्रा के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

छात्रा ने विरोध किया तो आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने घटना के बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा। घटना से छात्रा काफी डर गई। जब मां ने उसके व्यवहार में बदलाव देखा तो उसने भरोसे में लेकर उससे पूछा तो छात्रा ने पूरा बात मां को बता दी। इसके बाद पीड़ित छात्रा की मां नजदीकी चेंबूर पुलिस स्टेशन पहुंची और आरोपी रिक्शा चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

टेंपो से गोमांस तस्करी का भंडाफोड़

ड्राइवर समेत दो गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली के मानपाड़ा पुलिस थाने और कल्याण के खडकपाड़ा थाने हद में गोमांस तस्करी का मामला सामने आया है। हिंदू संगठन और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने दो टेंपो से गोमांस तस्करी का पर्दाफाश किया है। दो टेंपो से गोमांस मिला है और तीसरी गाड़ी में हथियार होने की जानकारी कार्यकर्ताओं ने दी है। बताया जा रहा है कि यह टेंपो भिवंडी के पड़घा से कुर्ला इलाके में जा रहा था।

टेंपो चालक समेत तीन फरार

मानपाड़ा इलाके में टेंपो चालक समेत तीन फरार हो गए और खड़कपाड़ा पुलिस ने ड्राइवर समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है और उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी है। गोमांस तस्करी मामले से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चुनाव से पहले पोस्टर वॉर शुरू

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले सियासत तेज हो गई है। माना जा रहा है कि नवंबर से दिसंबर के बीच चुनाव हो सकते हैं। इसी के चलते सभी पार्टियों ने अभी से कमर कस ली है और लोगों के बीच रैलियां करने लगे हैं। इस बीच महायुति में सीएम पद को लेकर चल रही खींचतान अब सबके सामने आने लगी हैं।

अजित पवार के भावी मुख्यमंत्री वाले पोस्टर लगे

दरअसल, बारामती में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पोस्टर लगाए गए हैं, जिसमें उन्हें भावी मुख्यमंत्री के तौर पर दिखाया गया है। अखिल भारतीय तनुलवाडी वेस सार्वजनिक गणेश मंडल पंडाल में अजित पवार के ये पोस्टर लगे मिले। हालांकि, इससे पहले भी एनसीपी कार्यकर्ता अजित पवार के भावी मुख्यमंत्री वाले पोस्टर लगाए जा चुके हैं।

चाकू की नोंक पर महिला से सामूहिक दुष्कर्म

दोपहर संवाददाता । पालघर

पालघर जिले में चाकू की नोंक पर महिला से गैंगरेप का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नालासोपारा इलाके के संतोष भवन में यह घटना हुई। 32 वर्षीय महिला के बयान के आधार पर तुलिंज पुलिस ने 2 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आईपीसी की धारा 70(1) और 351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान जितेंद्र यादव और अवि जयसवाल के तौर पर हुई। हालांकि, उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

अभिनेत्री के चक्कर में 3 आईपीएस अधिकारियों पर गिरी गाज

दोपहर संवाददाता । मुंबई

आंध्र प्रदेश सरकार ने रविवार को अलग-अलग आदेश जारी कर तीन सीनियर आईपीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इसमें डीजी रैंक के एक अधिकारी भी शामिल हैं। भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के इन अधिकारियों पर मुंबई की एक अभिनेत्री व मॉडल कादंबरी जेठवानी को उसके खिलाफ दर्ज मामले में उचित जांच के बिना जल्दबाजी में गिरफ्तार करने और परेशान करने में संलिप्तता का आरोप है।

इन 3 IPS अधिकारियों को गिया निलंबित

एक सरकारी आदेश के मुताबिक, पूर्व खुफिया प्रमुख पी. सीताराम अंजनेयुलु (महानिदेशक

हो गए सस्पेंड

रैंक) को निलंबित किया गया है। विजयवाड़ा के पूर्व पुलिस आयुक्त कांथी राणा टाटा (महानिरीक्षक रैंक) और तत्कालीन पुलिस उपायुक्त (विजयवाड़ा) विशाल गुन्नी (पुलिस अधीक्षक रैंक) को अभिनेत्री जेठवानी के उत्पीड़न में उनकी भूमिका का खुलासा होने के बाद निलंबित कर दिया गया है।

अभिनेत्री कांदबरी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान पुलिस अधिकारियों ने उन्हें धमकी दी थी कि अगर उन्होंने मुंबई में निगम के एक शीर्ष अधिकारी के खिलाफ दर्ज मामला वापस नहीं लिया तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अभिनेत्री को इस साल की शुरुआत में पिछली वाईएसआर कांग्रेस सरकार के दौरान पार्टी के एक नेता को उस शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया था, जिसमें उन पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था।

एससी में शामिल होगा धनगर समाज!

मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बयान से तेज हुईं अटकलें

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को धनगर आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया। सकल धनगर जमात समन्वय समिति के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान सीएम शिंदे ने कहा कि धनगर समाज को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने हेतु सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि यह समावेशन कानून के दायरे में रहे और किसी अन्य समुदाय के साथ अन्याय न हो। इस दौरान राज्य के उत्पाद शुल्क मंत्री शंभूराज देसाई, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. आई.एस. चहल, आदिवासी विकास विभाग के प्रमुख सचिव विजय वाघमारे, सामाजिक न्याय विभाग के सचिव गणेश पाटिल, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अतुल सावे, प्रमुख सचिव विनीता वेद-सिंघल ऑडियो-विजुअल के माध्यम से उपस्थित रहे।

शिंदे समिति जल्द दे रिपोर्ट

इस मौके पर धनगर समाज की अनुसूचित जनजाति को शामिल करने के संबंध में गठित डॉ। सुधाकर शिंदे समिति को जल्द से जल्द रिपोर्ट देने का निर्देश सीएम शिंदे ने दिया। तो वहीं डॉ शिंदे ने समिति के कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक गोपीचंद पडलकर, पूर्व सांसद विकास महात्मे, पूर्व विधायक प्रकाश शेंडगे, रामहरि रुपनवर, रामराव वडकुटे और समन्वय समिति के पांडुरंग मेरेगल, विजय गोफणे, पंकज देवकाते, मधु शिंदे ने विभिन्न मुद्दे उठाए। पूर्व मंत्री महादेव जानकर और समन्वय समिति के सदस्य भी उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल के साथ सीएम शिंदे ने की बैठक

धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलन की पृष्ठभूमि में सकल धनगर जमात समन्वय समिति के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ सीएम शिंदे ने सह्याद्री राज्य अतिथि गृह में बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अनशनकारियों से फोन पर बात करके उनका हाल-पूछा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धनगर समाज को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग कई वर्षों से लंबित है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस समावेशन के लिए कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। इसके लिए सचिव स्तर पर तत्काल अनुवर्ती कार्रवाई करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें राज्य के महाधिवक्ता, विधि एवं न्याय विभाग से परामर्श लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि अन्य मांगों के संबंध में आदिवासी विकास विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के सचिवों तथा समन्वय समिति के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से शीघ्र कार्यवाही की जाए।

दो बजे पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दोपहर

मुंबई, सोमवार 16 सितंबर 2024

अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए रेलवे की पहल

रेलवे एलटीटी मुंबई-गोरखपुर और पनवेल-छपरा के लिए 62 अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

रेलवे यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए एलटीटी मुंबई और गोरखपुर तथा पनवेल और छपरा के बीच 62 अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा।

पनवेल-छपरा साप्ताहिक विशेष

05070 विशेष दिनांक 22 .09 .2024 से 01 .12 .2024 तक रविवार को 23 .20 बजे पनवेल से रवाना होगी और तीसरे दिन 11 .35 बजे छपरा पहुंचेगी। 05069 विशेष दिनांक 21 .09 .2024 से 30 .11 .2024 तक शनिवार को 13 .15 बजे छपरा से रवाना होगी और अगले दिन 22 .00 बजे पनवेल पहुंचेगी।

एलटीटी मुंबई-गोरखपुर द्वि-साप्ताहिक विशेष

05326 विशेष दिनांक 26 .09 .2024 से 30 .11 .2024 तक गुरुवार और शनिवार को एलटीटी मुंबई से 10 .25 बजे रवाना होगी और अगले दिन 18 .00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। 05325 विशेष दिनांक 24 .09 .2024 से 28 .11 .2024 तक मंगलवार और गुरुवार को 21 .15 बजे गोरखपुर से रवाना होगी और तीसरे दिन 07 .25 बजे एलटीटी मुंबई पहुंचेगी।

अनमोल विचार लिखने के लिए केवल दो चीजें हैं- जीवन और मृत्यु : एडवर्ड फ्रैंकलिन एल्बी

'कुछ लोग भारत के संविधान को भूल गए हैं'

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का राहुल गांधी पर बड़ा हमला

दोपहर संवाददाता । मुंबई

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को मुंबई के एलफिंस्टन टेक्निकल हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज में संविधान मंदिर के उद्घाटन समारोह में उपस्थित हुए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। उन्होंने इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरक्षण से संबंधित बयान को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भारत के संविधान को भूल गए हैं। संविधान के बारे में जागरूकता की अत्यधिक आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरक्षण से संबंधित बयान को लेकर उन पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति की ऐसी टिप्पणी ''संविधान विरोधी मानसिकता'' को दर्शाती है। धनखड़ ने मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत के संविधान के बारे में जागरूकता की अत्यधिक आवश्यकता है, क्योंकि कुछ लोग इसकी मूल भावना को भूल गए हैं।

'संविधान विरोधी मानसिकता'

जगदीप धनखड़ ने कहा कि ''संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का विदेशी धरती पर यह कहना कि आरक्षण समाप्त कर दिया जाना चाहिए, संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। यह वही पुरानी संविधान विरोधी मानसिकता है, बस इसकी जिम्मेदारी किसी और ने ले ली है।" उपराष्ट्रपति ने कहा कि ''आरक्षण योग्यता के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह देश और संविधान की आत्मा है। यह सकारात्मक है, नकारात्मक नहीं। यह किसी को अवसर से वंचित नहीं करता, बल्कि समाज को ताकत देने वाले स्तंभों को सहारा देता है।"

'सार्वजनिक रूप से संविधान का अपमान'

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि यह विडंबना है कि विदेश यात्रा का उद्देश्य भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करने तथा इसके संविधान के प्रति सम्मान दिखाना नहीं बल्कि "सार्वजनिक रूप से संविधान के प्रति अनादर व्यक्त करना" था। उन्होंने कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए कहा, "संविधान को किताब की तरह नहीं दिखाया जाना चाहिए। इसका सम्मान किया जाना चाहिए, इसे पढ़ा जाना चाहिए और समझा जाना चाहिए। कोई भी सज्जन व्यक्ति, बुद्धिमान व्यक्ति या संविधान का सम्मान करने वाला व्यक्ति कभी भी इस तरह के व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा।" लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान गांधी अक्सर संविधान के संक्षिप्त संस्करण की प्रति दिखाते थे, ताकि कांग्रेस नीत विपक्ष के इस आरोप को बल मिल सके कि भाजपा संविधान में बदलाव करना चाहती है और आरक्षण समाप्त करना चाहती है। उपराष्ट्रपति ने कहा, "संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति विदेशी धरती पर लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है। क्या हम अपने संविधान के लगातार हो रहे अपमान को नजरअंदाज कर सकते हैं? मैं युवाओं से ऐसे दुस्साहसों का विरोध करने का आह्वान करता हूं, वे हमारी मातृभूमि को आहत करते हैं।"

'हमारे लोकतंत्र का सबसे काला दौर'

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि उन्हें संविधान और उसके मूल्यों का अनादर करने वाली ताकतों से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आलोचना की और कहा कि यह "हमारे लोकतंत्र का सबसे काला दौर" था।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर साधा निशाना

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि "मंडल आयोग की रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी गई थी, लेकिन दस साल तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उस अवधि के दौरान देश में दो प्रधानमंत्री रहे, इंदिरा गांधी और उनके बेटे राजीव गांधी। दोनों ने इस बारे में कुछ नहीं किया।"

नाबालिग ममेरी बहन से दुराचार का मामला

दोषी के कारावास की सजा हाईकोर्ट ने रखी बरकरार

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पत्नी की नाबालिग ममेरी बहन से दुराचार के मामले में दोषी व्यक्ति की निचली अदालत के 10 साल के कारावास की सजा को बरकरार रखा है। अदालत ने माना कि पीड़िता के बयान, उसकी मां की गवाही और चिकित्सा साक्ष्य से अभियोजन पक्ष याचिकाकर्ता के खिलाफ मामले को साबित करने में सफल रहा है। सेशन कोर्ट के न्यायाधीश द्वारा याचिकाकर्ता को दोषी ठहराया और उसे सजा सुनाई। मुझे उस निर्णय और आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखाई देता है। न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल की एकलपीठ के समक्ष पुणे निवासी नवनाथ चंद्रकांत रीठे की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के वकील शैलेश चव्हाण ने दलील दी कि याचिकाकर्ता का अपनी पत्नी के साथ विवाद था। इसलिए पीड़िता का परिवार उसे झूठे मामले में फंसाया। याचिका में सेशन कोर्ट के भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 और पाक्सो अधिनियम की धारा 4 के तहत दोषी करार देते हुए 10 सला की कारावास की सजा को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए सेशन कोर्ट के फैसले को रद्द करने से इनकार कर दिया।

पीड़िता की ममेरी बहन का पति है याचिकाकर्ता

याचिकाकर्ता पीड़िता की ममेरी बहन का पति है। वह 26 जुलाई 2015 पीड़िता के घर आया और उसे अपने घर ले गया। उसने पीड़िता को जंगल में मटन लाने के बहाने ले गया। वहां उसने उसे जंगल में एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ दुराचार किया। याचिकाकर्ता ने पीड़िता के साथ मारपीट की और उसे किसी को नहीं बताने की धमकी भी दी। इसके बाद उसने उसे कुछ दूरी पर छोड़ कर फरार हो गया। पीड़िता घटना से किसी तरह घर गई और अपने परिवार के सदस्यों को आपबीती बताई। उसके परिवार ने पुणे के लोनी कालभोर पुलिस स्टेशन एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने 18 अगस्त 2015 को आरोपी नवनाथ चंद्रकांत रीठे को गिरफ्तार किया। सेशन कोर्ट ने अभियोजन पक्ष के पेश सबूतों एवं गवाहों के आधार पर उसे नाबालिग से दुराचार में दोषी पाया और 10 साल की कारावास सजा सुनाई।

बाइक सवार ने महिला पर हेलमेट से किया हमला

भीड़ ने की आरोपी की पिटाई

दोपहर संवाददाता । मुंबई

दक्षिण मुंबई में रोड रेज की एक घटना सामने आई है जिसमें एक मोटरसाइकिल सवार ने महिला पर हेलमेट से हमला कर दिया। घटना को लेकर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार ने कथित तौर पर सड़क किनारे खड़ी महिला को टक्कर मार दी। महिला के विरोध करने पर उसने महिला से बदसलूकी की और फिर अपने हेलमेट से उस पर हमला भी किया। इस घटना के बाद पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने 33 वर्षीय मोटरसाइकिल सवार शाहिन आलम शेख को गिरफ्तार कर लिया और बाद में उसे नोटिस देकर छोड़ दिया गया। यह घटना शनिवार रात को हुई थी।

बाइक सवार ने महिला को मारी टक्कर

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार रात को उक्त महिला जेजे फ्लाईओवर के नीचे निजाम मार्ग पर टैक्सी का इंतजार कर रही थी। तभी मोटरसाइकिल पर सवार आरोपी शाहिन आलम शेख ने उसके पैर में टक्कर मार दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला द्वारा डांटने पर आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इतना ही नहीं, आरोपी शाहिन ने महिला को सड़क पर धक्का दे दिया और हेलमेट से उसके सिर पर वार भी किया।

भीड़ ने की आरोपी की पिटाई

पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना घटित होने के कुछ ही देर में मौके पर भीड़ एकत्र हो गई और आरोपी शाहिन की पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान शेख ने भागने का प्रयास किया और दावा किया कि वह पुलिसकर्मी है। अधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मामले में तुरंत हस्तक्षेप किया और शेख को भीड़ के चंगुल से बचा लिया। स्थानीय पुलिस कर्मी उसे नजदीकी अस्पताल ले गए। पुलिस ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी शेख के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 118, 79 और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल उसे गिरफ्तार करने के बाद नोटिस देकर छोड़ दिया गया है।

फर्जी समाचार फैक्टरी चला रहे सीएम शिंदे: थोराट

मुंबई। महाराष्ट्र में कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोराट ने रविवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर 'फर्जी खबर' फैलाकर धार्मिक आधार पर विवाद पैदा करने का आरोप लगाया। थोराट ने मुख्यमंत्री शिंदे के उस बयान के एक दिन बाद यह टिप्पणी की है जिसमें उन्होंने कहा था कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार गणेश उत्सव समारोह को बंद करने का प्रयास कर रही है।

कर्नाटक का वीडियो हुआ था वायरल

बता दें कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें कर्नाटक पुलिस प्रदर्शनकारियों से कथित तौर पर गणेश प्रतिमा छीनकर उसे पुलिस के वाहन में रखती हुई दिखाई दे रही है। थोराट ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि "मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री केवल एक ही काम कर रहे हैं और वह है लगातार फर्जी खबरें फैलाकर फर्जी कहानी गढ़ना।

कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट ने सवाल किया कि क्या वे 'फर्जी समाचार फैक्टरी' चला रहे हैं। थोराट ने कहा कि इससे पहले उन्होंने राहुल गांधी के आरक्षण संबंधी बयान का विरोध किया था, जबकि उन्होंने वह बयान नहीं दिया था। उन्होंने दावा किया कि "कर्नाटक में जो घटना हुई ही नहीं है, उसके बारे में फर्जी खबरें फैलाकर राज्य में धार्मिक विवाद पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।" थोराट ने कहा कि "प्रदेश की जनता समझदार है और आपके झूठे विमर्श के साथ-साथ आपकी सरकार भी उखाड़ फेंकेगी।"

महाविकास अघाड़ी में सीटों के बंटवारे पर फंसा पेंच

कांग्रेस ने मुंबई की 18 सीटों पर ठोका दावा

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। महाविकास अघाड़ी और महायुति के घटक दलों में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है। इस बीच, महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस ने मुंबई की 36 सीटों में से 18 सीटों की मांग की है। इसे लेकर महाविकास अघाड़ी में विवाद पैदा होने के आसार हैं। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने मुंबई की 36 सीटों में से 18 सीटों की मांग की है। इसमें मालाबार हिल जैसे विशिष्ट निर्वाचन क्षेत्र और धारावी जैसी एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती शामिल हैं। दूसरी ओर, शिवसेना ठाकरे समूह ने मुंबई में 20 सीटों की मांग की है, जबकि एनसीपी शरद पवार गुट ने 7 सीटों पर दावा किया है। कांग्रेस ने मुंबई में 18 सीटों की मांग की है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस ने धारावी, चांदीवली, मुंबादेवी, मलाड वेस्ट, सायन कोलीवाड़ा, कोलाबा, कांदिवली ईस्ट, अंधेरी वेस्ट, वर्सोवा, बांद्रा वेस्ट, घाटकोपर वेस्ट, कुर्ला, बायकुला, जोगेश्वरी ईस्ट, मालाबार हिल, माहिम, बोरीवली और चारकोप में चुनाव लड़ने की तैयारी की है।

कांग्रेस और शिवसेना ने इतनी सीटों की मांग की

उद्धव बाला साहेब ठाकरे की पार्टी शिव सेना 20 सीटों पर अड़ी है। यह भी कहा जा रहा है कि शरद पवार की पार्टी एनसीपी ने 7 सीटों पर दावा किया है। 2019 में ठाकरे की शिवसेना ने मुंबई की 36 में से 19 सीटें जीती थी। बीजेपी ने 11 सीटें जीती थी। कांग्रेस ने 28 में से 4 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि एनसीपी को 1 सीट और समाजवादी पार्टी को 1 सीट पर जीत मिली थी। राज्य में 2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 105 सीटें जीती थी तो शिवसेना को 56 सीटें, एनसीपी को 54 सीटें और कांग्रेस को 44 सीटें मिली थी। अब यह उत्सुकता चरम पर पहुंच गई है कि विधानसभा चुनाव के लिए महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच सीट आवंटन का फॉर्मूला क्या होगा।

उन्नाव की महिला से तीन शहरों में दुष्कर्म

जिम मालिक ने नौकरी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

पुलिस ने अभी तक आरोपी को नहीं पकड़ा

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने अभी तक जिम मालिक को गिरफ्तार नहीं किया है। आरोपी ने नौकरी दिलाने के बहाने महिला से दुष्कर्म किया है। आरोपी एक जिम का मालिक है। पीड़िता उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले की रहने वाली है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक जुहू पुलिस थाने में एक जिम मालिक पर नौकरी दिलाने के बहाने एक महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव की रहने वाली 24 वर्षीय महिला ने व्यवसायी पर मारपीट और दुष्कर्म का आरोप लगाया है।

तीन शहरों में किया दुष्कर्म

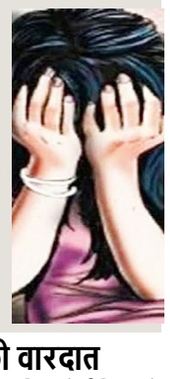

अधिकारी के मुताबिक महिला आरोपी से पहली बार 2019 में मिली थी। आरोपी ने कहा था कि वह मुंबई में एक जिम खोलने जा रहा है। वहां उसे अच्छे वेतन पर नौकरी देने का वादा किया। इसके बाद आरोपी ने लखनऊ, मुंबई और गोवा में दुष्कर्म किया है।

जुहू के होटल में की वारदात

शिकायत के मुताबिक जिम मालिक ने पीड़िता को एक व्यवसायिक बैठक में भाग लेने की खातिर बुलाया था। इसके बाद जुहू के एक होटल में महिला के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस अभी तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है।

अमेरिकी नागरिक से 4 करोड़ की धोखाधड़ी

सीबीआई ने आरोपी को किया गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने मुंबई में रह रहे एक अमेरिकी नागरिक से चार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान विष्णु राठी के रूप में हुई है। सीबीआई की टीम ने धोखाधड़ी के इस मामले में मुंबई में सात ठिकानों पर छापेमारी भी की। टीम को आरोपित के पास से 100 ग्राम की 57 सोने की छड़ें, 16 लाख रुपये नकद, मोबाइल फोन, क्रिप्टोकरेंसी के लिए इस्तेमाल किया गया लैपटॉप, लॉकर विवरण और अन्य दस्तावेज मिले। अन्य आरोपितों की तलाश सीबीआई टीम कर रही है।

अपराधियों के खिलाफ 'ऑपरेशन चक्र 3' शुरू

सीबीआई सूत्रों के अनुसार विष्णु राठी ने तकनीकी सहायक होने का दावा कर एक अमेरिकी नागरिक से 4.5 लाख अमेरिकी डॉलर (तीन करोड़ 77 लाख रुपये) की ठगी की थी। इसका इनपुट अमेरिका की जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी एफबीआई ने सीबीआई को दिया था। इसके बाद सीबीआई की ओर से साइबर अपराधियों के खिलाफ 'ऑपरेशन चक्र 3' शुरू किया गया।

मामले की गहन छानबीन जारी

एफबीआई से मिली जानकारी के बाद जांच में पता चला कि बूलियन समर्थित साइबर अपराध नेटवर्क 2022 से विदेश में रहने वाले लोगों को निशाना बना रहा था। आरोपित विष्णु राठी ने जून और अगस्त 2022 के बीच एक अमेरिकी नागरिक के कंप्यूटर और बैंक खाते तक अनधिकृत रिमोट एक्सेस प्राप्त किया। फिर आरोपित ने तकनीकी सहायता की आड़ में सिस्टम हैक कर बैंक का पैसा अपने नाम कर लिया। राठी ने अमेरिकी को अपने क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में 453,953 अमेरिकी डॉलर ट्रांसफर करने के लिए कहा था। इसके बाद आरोपित ने धोखाधड़ी से रकम अपने क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में ट्रांसफर कर लिया था। इसकी जानकारी मिलने पर अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने सीबीआई को इनपुट दिया था, जिससे सीबीआई ने आरोपित विष्णु राठी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गहन छानबीन जारी है।

संपादकीय

कांग्रेस को अलग राह पर ले जाते राहुल गांधी

राहुल गांधी ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान जो बयान दिए, उन्हें लेकर भारत में विवाद होना ही था और वह हुआ भी। उनके इस बयान पर सबसे अधिक आपत्ति जताई गई कि भारत में लड़ाई इसकी है कि सिख पगड़ी, कड़ा धारण कर पाएंगे या नहीं और गुरुद्वारा जा सकेंगे या नहीं? उन्होंने यह बात अपने कार्यक्रम में उपस्थित एक सिख पत्रकार भलिंदर सिंह विरमानी का नाम पूछने के बाद कही। भाजपा नेताओं ने तो इसका जोरदार विरोध किया ही, खुद भलिंदर सिंह और अन्य सिखों ने भी उस पर आपत्ति जताई। यह इसीलिए जताई, क्योंकि यह बयान वास्तव में उकसावे और अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोगों को लड़ाने-भिड़ाने वाला है। भारत में वैसा कुछ भी नहीं है, जिसकी आशंका राहुल गांधी जता रहे हैं। क्या कोई और यहां तक कि सिख यह कह सकते हैं कि किसी सिख को पगड़ी, कड़ा धारण करने या फिर गुरुद्वारे जाने से रोका जा रहा है या फिर ऐसा कुछ होने की आशंका दिख रही है। राहुल गांधी का सिखों को लेकर दिया गया बयान कितना भड़काऊ है, इसे इससे समझा जा सकता है कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने उनके कहे को सही करार दिया। एक तरह से राहुल ने खालिस्तानी आतंकियों का ही काम आसान किया। यह तय है कि अब वे उनके बयान का सहारा लेकर भारत के खिलाफ और अधिक दुष्प्रचार करेंगे, लेकिन राहुल गांधी के रवैये से यह साफ है कि उन पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ रहा है और वह इस पर गौर करने को तैयार नहीं कि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली और देश के कुछ अन्य शहरों में सिखों के खिलाफ जो भीषण दंगे हुए, उन्हें रोकने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कुछ नहीं किया था और उलटे यह कहा था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। वास्तव में यही वह दौर था, जब सिख अपनी सुरक्षा को लेकर आशंकित थे। राहुल इसका संज्ञान लेने को भी तैयार नहीं दिख रहे कि इंदिरा गांधी ने भिंडरांवाले को खड़ा करने का जो काम किया, उसके देश को भयावह नतीजे भोगने पड़े। वह पंजाब के संदर्भ में इंदिरा गांधी की ऐतिहासिक भूलों की अनदेखी ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि खालिस्तानियों को रास आने वाले बयान भी दे रहे हैं। कांग्रेस ने अमेरिका में राहुल गांधी की ओर से सिखों को लेकर दिए गए बयान को सही साबित करने के लिए पंजाब के अपने नेताओं प्रताप सिंह बाजवा और चरणजीत सिंह चन्नी को जिस तरह मैदान में उतारा, उससे यही पता चलता है कि राहुल के नेतृत्व में पार्टी यह दर्शना चाहती है कि उसे कांग्रेस की ऐतिहासिक भूलों से मतलब नहीं। शायद इसीलिए इन दोनों नेताओं से यह भी कहलवाया गया कि आपरेशन ब्लूस्टार में भाजपा और आरएसएस का हाथ था। यह केवल खतरनाक नैरेटिव खड़ा करने वाला ही नहीं, बल्कि लोगों को बरगलाने वाला भी झूठ है, लेकिन शायद राहुल गांधी कांग्रेस को अलग राह पर ले जाने के लिए छल-कपट का सहारा लेने में भी संकोच नहीं कर रहे हैं। हैरानी नहीं कि इसी कारण अमेरिका में उन्होंने यह भी कहा कि भारत में तमिल, तेलुगु आदि भाषियों से यह कहा जा रहा है कि उनकी भाषा, संस्कृति और खानपान कमतर है। राहुल गांधी ने अमेरिका में अपने चिरपरिचित अंदाज में यह भी कहा कि चीन ने भारत की सैकड़ों किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया हुआ है और प्रधानमंत्री मोदी उससे निपट नहीं पा रहे हैं। वह यह बात न जाने कबसे दोहरा रहे हैं। साफ है कि वह यह भूलना पंसद कर रहे हैं कि चीन ने भारत की भूमि पर उस समय कब्जा किया था, जब कांग्रेस सत्ता में थी। चीन के प्रति जवाहरलाल नेहरू की नरम नीति के नतीजों की अनदेखी कर राहुल गांधी यही रेखांकित कर रहे हैं कि नेहरूजी ने जो भारी भूल की, उससे उन्हें कोई मतलब ही नहीं। राहुल ने अमेरिका में यह भी कहा कि जब स्थितियां अनुकूल होंगी तो आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। जब इसका विरोध हुआ तो उन्होंने कहा कि वह तो आरक्षण को 50 प्रतिशत से अधिक करना चाहते हैं। भाजपा कांग्रेस की ऐतिहासिक भूलों के आधार पर राहुल गांधी को घेरने की हर संभव कोशिश तो कर रही है, लेकिन वह यही दिखा रहे हैं कि इससे उनकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। राहुल गांधी का रवैया ऐसा है, मानो वह यह कहना चाहते हों कि नेहरू, इंदिरा और राजीव गांधी की कांग्रेस से उनका कोई नाता नहीं और इन नेताओं ने जो कुछ अच्छा-बुरा किया, उससे उन्हें कोई मतलब नहीं। राहुल गांधी के इस रुख का सामना कांग्रेस किस तरह करेगी, यह तो वही जाने, लेकिन भाजपा को यह समझ लेना चाहिए कि वह कांग्रेस की गलतियों और उसकी नीतियों का जिक्र करके राहुल को घेरने में कामयाब नहीं होने वाली। स्पष्ट है कि उसे अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा।

यूक्रेन संघर्ष : कारगर नहीं हुआ भारत का शांति प्रयास

डॉ. मलय मिश्रा

राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने यूरोपीय राजधानियों और अमेरिका की अपनी लगातार यात्राओं में (वाशिंगटन डीसी में कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के साथ) अपनी 10-सूत्री शांति योजना के लिए समर्थन और लड़ाई जारी रखने के लिए हथियारों की लगातार आपूर्ति की पैरवी की है जिसका बाइडेन प्रशासन ने पूरा समर्थन किया है।

जैसे-जैसे रूस यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में पूर्वी शहर पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने के करीब पहुंच रहा है, कुर्स्क में यूक्रेन द्वारा हासिल बढ़त का असर कम हो रहा है। रूस, यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में पूर्वी शहर पोक्रोव्स्क पर कब्जा करने के करीब पहुंचते हुए कुर्स्क में यूक्रेन द्वारा हासिल की गई बढ़त को चुनौती दे रहा है। वहां कुर्स्क सैनिकों ने कई रूसी गांवों पर कब्जा कर लिया है। स्थिति में लगातार बदलाव होते रहता है। रूस ने अभी एक रणनीतिक स्थान मेमरिक गांव पर कब्जा करने की घोषणा की है जो कीव के रसद केंद्र पोक्रोव्स्क की ओर जाता है और लगभग 20 किमी दूर है। यूक्रेनी सरकार ने पहले ही पोकवोर्स्क में स्थानीय आबादी को इलाका खाली करने के आदेश दे दिए हैं जो बता रहे हैं कि दो युद्धरत देशों के बीच शांति लगातार घट हो रही है। यह भी लगता है कि शांति स्थापना के नई दिल्ली के प्रयास काम नहीं आए हैं। हालांकि पीएम मोदी की हालिया यूक्रेन यात्रा के दौरान शांति प्रयासों से बहुत उम्मीद नहीं की गई थी। युद्ध एक महत्वपूर्ण दौर में पहुंच गया है और दोनों पक्षों की ओर से राहत के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। अगर पीएम की यह यात्रा उनकी पिछली मॉस्को यात्रा पर नाराजगी को शांत करने के लिए थी तो प्रधानमंत्री के मध्यस्थता के इशारे ने गुस्से को शांत करने कोशिश को कम नहीं किया बल्कि उनके यूक्रेनी मेजबान ने अपनी बाद की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान इस संघर्ष के बारे में भारत के दृष्टिकोण में कई विसंगतियों की ओर इशारा करते हुए जो कहा है वह उनकी नाराजगी को बताता है। जुलाई में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के तुरंत बाद पोलैंड (21-22 अगस्त) और यूक्रेन (23 अगस्त) (यूक्रेन के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर) की पीएम मोदी की योजनाबद्ध यात्रा, रूस और यूक्रेन के बीच 30 महीने के संघर्ष में मध्यस्थता का भारत का सीधा प्रयास प्रतीत होता है। भारत ने शांति के लिए एकमात्र मार्ग के रूप में 'बातचीत और कूटनीति' का आह्वान करने में एक सुसंगत रुख अपनाया है और दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए बातचीत के द्विपक्षीय समाधान के प्रयास किए और दोनों राष्ट्रपतियों ज़ेलेंस्की और पुतिन दोनों के साथ बैठकें कीं। इस सिलसिले में आखिरी बार क्रमशः जून में इटली में जी-7 बैठक और इस साल जुलाई में मास्को में द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के मौके पर बातचीत हुई थी। शिखर बैठक के दौरान राष्ट्रपति पुतिन को गले लगाने वाले प्रधानमंत्री मोदी के चित्र जब छप रहे थे उसी वक्त रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन में बच्चों के अस्पताल पर हमला किया था जिसमें कैंसर से पीड़ित बच्चे मारे गए थे जिसकी वजह से यूक्रेन के राष्ट्रपति नाराज थे। इस हमले ने पश्चिमी देशों को और नाराज कर दिया तथा नाटो की 75 वीं वर्षगांठ के लिए समय में वाशिंगटन डीसी में उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया।

उस पृष्ठभूमि के खिलाफ और दोनों बड़े शक्ति गठबंधनों के बीच अपने संतुलन कार्य को जारी रखते हुए, भारत के प्रयासों को यूक्रेनी पक्ष पर चिंताओं को दूर करने और पश्चिम के संघर्ष में जाहिर भारतीय नीति के साथ सहज महसूस करने के लिए सोचा जा सकता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसने पश्चिम खुश नहीं है क्योंकि भारत ने रूस को हमलावर के रूप में घोषित करने से परहेज किया है एवं संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ कई प्रस्तावों से परहेज किया है। इसके अलावा जी-7 की बैठक के तुरंत बाद 24 जून को स्विट्जरलैंड में यूक्रेन द्वारा आयोजित शांति सम्मेलन में भारत की ओर से जूनियर स्तर का प्रतिनिधि मंडल भेजा गया और बैठक की संयुक्त घोषणा पर भारत की ओर से हस्ताक्षर भी नहीं किए गए। इस सम्मेलन में 80 से अधिक देशों ने भाग लिया था। एक निष्पक्ष शांतिदूत के रूप में भारत की स्थिति को इस संघर्ष के संदर्भ में अच्छा नहीं माना गया।

इस बीच, यूक्रेन द्वारा रूस के दक्षिणी कुर्स्क क्षेत्र पर आश्चर्यजनक आक्रमण और अधिग्रहण, द्वितीय विश्व युद्ध के अंत के बाद से रूसी क्षेत्र पर पहला हमला था जिसने दो युद्धरत पक्षों के बीच मध्यस्थता के सभी प्रयासों को उलट दिया और मास्को को कतर मध्यस्थता प्रयासों को आगे नहीं बढ़ने देने में कड़ा रुख अपनाने को मजबूर कर दिया था जिसके लिए 22 अगस्त के लिए दोनों पक्षों के बीच एक आभासी बैठक होने वाली थी। हालांकि मोदी की यात्रा का केंद्र बिंदु यूक्रेन था। रूस के साथ विवाद के चलते अमेरिका और नाटो सदस्यों के अरबों डॉलर पहले से ही डूब गये हैं। नई दिल्ली के मध्यस्थता प्रयासों ने यूक्रेन या रूस की मदद नहीं की है लेकिन इसने संघर्ष में भारत की अब तक की घोषित स्थिति के साथ पश्चिमी नाराजगी और असुविधा को कम किया होगा।

हमें अपने तरफ देखना चाहिए, अपने अंदर देखना चाहिए और वो कोई कठिन बात नहीं है, जब हम अपनी शक्ल देखना चाहते हैं, तो हम शीशे में देखते हैं।

सहज योग

अपने भोलेपन को पहचानें

हम लोगों को अब यह सोचना है कि सहजयोग तो बहुत फैल गया और किनारे-किनारे पर भी लोग सहजयोग को बहुत मानते हैं। लेकिन जब तक अपने अन्दर सहजयोग वास्तविक रूप से प्रकट नहीं होगा तब तक जैसा लोग सहजयोग को मानते हैं, वो मानेगें नहीं। इसलिए ज़रूरत है कि हम कोशिश करें कि अपने अंदर झांकें। यही कृष्ण का चरित्र है कि हम अपने अंदर झांके और देखें जाने की कौन सी ऐसी चीजे हैं, जो हमें दुविधा में डाल देती हैं। इसका पता लगाना चाहिए। हमें अपने तरफ देखना चाहिए, अपने अंदर देखना चाहिए और वो कोई कठिन बात नहीं है, जब हम अपनी शक्ल देखना चाहते हैं, तो हम शीशे में देखते हैं। उसी प्रकार जब हमें अपनी आत्मा के दर्शन करने होते हैं, तो हमें देखना चाहिए हमारे अंदर वो कैसे देखा जाता है। बहुत से सहजयोगियों ने कहा मां यह कैसे देखा जा सकेगा कि हमारे अंदर क्या है और हम कैसे हैं? उसके लिए ज़रूरी है कि मनुष्य पहले स्वयं की और नम्र हो जाए क्योंकि अगर आपमें नम्रता नहीं होगी, तो आप अपने ही विचार लेकर बैठे रहेंगे। कृष्ण के जीवन में पहले दिखाया गया कि एक छोटे लड़के के जैसे वो थे बिलकुल जैसा शिशु होता है बिलकुल ही अज्ञानी वो इसी तरह थे, वो अपने को कुछ समझते नहीं थे। उनकी मां थी एक और वो अपनी मां के सहारे वो बढ़ना चाहते थे। इसी प्रकार आप लोगों को भी अपने अंदर देखते वक्त यह सोचना चाहिए कि हम एक शिशु बालक है। कृष्ण ने बार

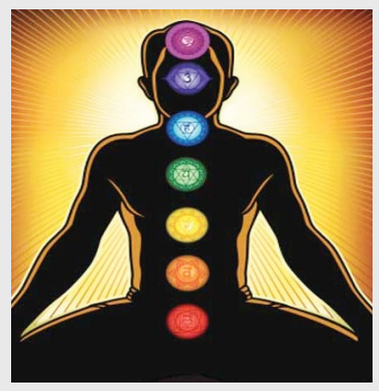

बार कहा, लेकिन जीसस क्राइसट ने भी कहा हम एक छोटे बालक बनें। बालक की जो सुबोध स्वभाव की छाया है वो हमको दिखनी चाहिए कि हम क्या बालक जैसी बातें करते हैं? हमारे अंदर कौन सा ऐसा गुण है की हम बालक बन जाते हैं। अबोधिता,भोलापन और उस भोलेपन से हमें अपने अंदर देखना चाहिए और उसी से अपने को ढकना है। अब वो भोलापन बड़ा प्यारा होता है। आप अगर बच्चों को देखें उनसे जो प्यार छलकता है इसलिए कि वो भोले हैं। वो चालाकी नहीं जानते, अपना महत्व नहीं जानते, कुछ भी नहीं क्या जानते हैं वो? वो जानते यह हैं कि सब लोग हमारे प्रिये हैं। ये हमारे भाई बहन हैं। ये सब कुछ हैं। लेकिन ये किस तरह से उन्होंने जाना, यह प्रश्न है। बच्चों ने जिस तरह से जाना उसी तरह से हमने भी भुला दिया कि हम भी एक भोले बालक हैं और एक भोलापन हमारे अंदर है।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा

एडवर्ड फ्रैंकलिन एल्बी III: निधन-16 सितंबर 2016

देहावसान

एडवर्ड फ्रैंकलिन एल्बी III एक अमेरिकी नाटककार थे, जिन्हें द ज़ू स्टोरी (1958), द सैंडबॉक्स (1959), हू इज अफरैद ऑफ वर्जीनिया वूल्फ? (1962), ए डेलिकेट बैलेंस (1966) और थ्री टॉल वुमन (1994) के लिए जाना जाता है। उनका जन्म 12 मार्च, 1928 में हुआ था। उन्हें 'थियेटर ऑफ द एब्सर्ड' का नाम दिया गया है। उन्होंने अपने एक नाटक के लिए 'पुलित्जर पुरस्कार' जीता और उनके दो अन्य कार्यों ने सर्वश्रेष्ठ नाटक के लिए टोनी पुरस्कार जीता। उन्होंने अपनी आखिरी सांस 16 सितंबर 2016 में ली थी।

लिखने के लिए केवल दो चीजें हैं- जीवन और मृत्यु

यदि आप रुचिकर रूप से असफल होने के इच्छुक हैं, तो आप रुचिकर रूप से सफल होने की प्रवृत्ति रखते हैं। कला ही एकमात्र ऐसी चीज है जो हमें अन्य जानवरों से अलग करती है। कला सजावटी नहीं है; वे हमारी चेतना और स्वयं की समझ के लिए आवश्यक हैं। कला को कभी भी लोकप्रिय होने का प्रयास नहीं करना चाहिए। यदि आपको कोई घाव नहीं है, तो आप कैसे जान सकते हैं कि आप जीवित हैं? लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि मुझे एक नाटक लिखने में कितना समय लगता है और मैं उन्हें 'अपनी पूरी जिंदगी' बताता हूं। ईमानदारी का कोई मतलब

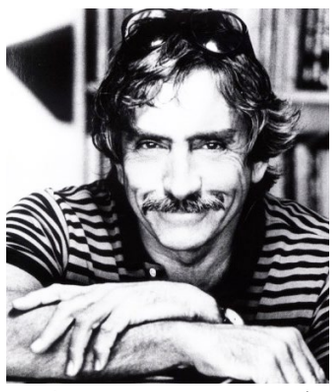

नहीं है। एक व्यक्ति ईमानदार और अधिक विनाशकारी हो सकता है एक निष्ठाहीन व्यक्ति की तुलना में। रचनात्मकता जादू है, इसकी बहुत बारीकी से जांच न करें। हम यहां क्यों हैं यह एक अभेद्य प्रश्न है। कोई भी परिभाषा जो हमें सीमित करती है वह निंदनीय है। मुझे लगता है कि आपको सब कुछ याद है, बस आप इसे हर समय दिमाग में नहीं ला सकते। अच्छे लेखक वास्तविकता को परिभाषित करते हैं, बुरे लोग केवल इसे दोहराते हैं। लिखने के लिए केवल दो चीजें हैं- जीवन और मृत्यु। एक नाटककार का अपने समाज में यह दायित्व होता है कि वह उसकी सहायता न करें या उसे दिलासा न दें, बल्कि उस पर टिप्पणी करें और उसकी आलोचना करें। कभी-कभी थोड़ी दूरी सही ढंग से वापस आने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

प्रेरक प्रसंग

बड़ाई से बढ़ता अहंकार

विनोबा भावे नित्य सारी चिट्ठियां जो आश्रम में आतीं, पढ़ा करते और समय से उत्तर देना नहीं भूलते थे। एकदिन एक आश्रम के वरिष्ठ सदस्य वहां बैठे हुए थे। चिट्ठियां छांटते-छांटते विनोबा ने एक चिट्ठी पढ़ी और कूड़ेदान में डाल दी। उस व्यक्ति ने पूछा - 'आप तो हर पत्र को मन से पढ़ते हैं, इसे आपने थोड़ा पढ़कर कूड़ेदान में क्यों डाल दिया? यह किसका पत्र था जिसे आपने फाड़ डाला।' विनोबा जी ने कहा- 'महात्मा गांधी का पत्र था,' तो आपने बापू का पत्र क्यों फाड़ दिया? विनोबा ने कहा - 'ऐसे ही' उस सज्जन से रहा नहीं गया। उन्होंने उसे कूड़ेदानी से निकालकर जोड़ कर देखा कि क्या लिखा गया है। उसमें महात्मा गांधी जी ने विनोबा की भूरि-भूरि प्रशंसा की थी। उस सज्जन ने कहा- 'यह तो संग्रहणीय था- फाड़ना नहीं चाहिए था, यह तो धरोहर है।'

विनोबा ने सीधे शब्दों में कहा- 'वह पत्र ही क्या जिसमें खाली बड़ाई लिखी हो। यह तो चित्त को गंदा कर देगा, अहंकार उत्पन्न करने वाला है' और फिर मुस्कुराने लगे।

शख्सियत

एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी

भारत रत्न से सम्मानित पहली संगीतकार

एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी एक ऐसा नाम है जो कर्नाटक संगीत की दुनिया का पर्याय है।सुब्बुलक्ष्मी ने तमिल, कन्नड़, संस्कृत, पंजाबी, हिंदी, मलयालम, तेलुगु, बंगाली, गुजराती और मराठी सहित विभिन्न भाषाओं में भक्ति संगीत प्रस्तुत किया। अपने अद्भुत कौशल के आधार पर वह भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित होने वाली पहली संगीतकार भी थीं।

एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी का जन्म 16 सितंबर 1916 को मदुरै में हुआ था। एम.एस का परिचय बहुत कम उम्र में कर्नाटक संगीत से हो गया था। ऐसा इसलिए था, क्योंकि उनका जन्म संगीतकारों के परिवार में हुआ था। जबकि उनकी दादी अक्कम्मल एक वायलिन वादक थीं, उनकी मां एक प्रसिद्ध वीणा वादक थीं।

एम. एस ने अपना पहला पब्लिक परफॉर्मेंस तिरुचिरापल्ली के प्रसिद्ध रॉकफोर्ट मंदिर में तब दिया जब वह केवल ग्यारह वर्ष की थीं। इस प्रदर्शन को वायलिन वादक मैसूर चौदिया और प्रसिद्ध मृदंगम वादक दक्षिणमूर्ति पिल्लई जैसे लोकप्रिय संगीतकारों का समर्थन प्राप्त था। उन्हें बड़ी सफलता वर्ष 1929 में मिली, जब उन्होंने मद्रास संगीत अकादमी में प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित कुछ भाग्यशाली संगीत प्रेमी 13 वर्षीय लड़की के कौशल से मंत्रमुग्ध हो गए, जो इतनी सुंदरता और प्रवाह के साथ भजन गा सकती थी। संगीत पर उनके विशाल ज्ञान से प्रभावित होकर, अकादमी ने उन्हें कई अन्य प्रदर्शनों के लिए आमंत्रित किया और जब वह 17 वर्ष की थीं, तब तक सुब्बुलक्ष्मी उनके सभी संगीत कार्यक्रमों में एक प्रमुख आकर्षण थीं।

वर्ष 1998 में एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित होने वाली पहली संगीतकार बनीं। रेमन मैग्सेसे पुरस्कार को एशिया का नोबेल पुरस्कार भी कहा जाता है। वर्ष 1974 में एम.एस. इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित होने वाली पहले भारतीय बनी। इसके अलावा उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, संगीता कलानिधि, संगीता कलासिखमनी, कालिदास सम्मान और इंदिरा गांधी पुरस्कार से नवाजा गया है।

अपनी अधिकांश पुरस्कार राशि दान में देने के अलावा, एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी ने 200 से अधिक चैरिटी संगीत कार्यक्रमों में भी प्रदर्शन किया। एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी का 11 दिसंबर 2004 को चेन्नई में निधन हो गया।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

दान भी दुःख और भोग का कारण बन सकता हैं

दान देने से पहले जरा सोच लें दान करना हमारे समाज में अति शुभ माना गया है। लेकिन कई बार यह दान दुःख का कारण भी बन जाता है। हमारे आसपास ऐसे कई व्यक्ति है जो कि ज्यादा दान या ज्यादा धर्म में लीन रहते है। फिर भी कष्ट उनका व उनके परिवार का पीछा नहीं छोड़ता तब हम अपने को सांत्वना स्वरूप यह कह कर संतोष करते है कि भगवान शायद हमारी परीक्षा ले रहा है।

अरे भाई भगवान् कोई तुम्हारी परीक्षा-वरीक्षा नहीं ले रहा, बल्कि वो तो तुम्हारे ही कर्मो का फल तुम्हे दे रहा है। बहुत दान धर्म करने के बाद भी सुख नहीं मिलता क्योकि तुम्हारे द्वारा दिया दान ही दुःख का कारण बन जाता है।

एक समय की बात है। एक बार एक गरीब आदमी एक सेठ के पास जाता है और भोजन के लिए सहायता मांगता है।

सेठ बहुत ही धर्मात्मा था वो उसे पैसे देता है। पैसे लेकर व्यक्ति भोजन करता है, और उसके पास कुछ पैसे बचते है जिससे वो शराब पी लेता है शराब पीकर घर जाता है और अपनी पत्नी को मारता है।पत्नी दुखी होकर अपने दो बच्चो के साथ तालाब में कूद कर आत्म हत्या कर लेती है। कुछ समय

बाद उस सेठ की भी असाध्य रोग से मृत्यु हो जाती है मरने के बाद सेठ जब ऊपर जाता है तब यमराज बोलते है कि इसको नरक में फेंक दो। सेठ यह सुनकर यमराज से कहता है कि आपसे गलती हुई है, मैने तो कभी कोई पाप भी नही किया है, बल्कि जब भी कोई मेरे पास आया है मेने उसकी हमेशा मदद ही की है। इसलिये मुझे एक बार भगवान् से मिला दो। तब यमराज उसे बोलते है कि हमारे यहाँ तो गलती की कोई संभावना नही है, गलतिया तो तुम लोग ही करते हो।

पर सेठ के बहुत कहने पर यमराज उसे भगवान् के समक्ष पेश करते है। भगवान् के सामने जाकर सेठ बोलता हे प्रभु मैने तो कोई पाप किया ही नही है तो मुझे नरक क्यों दिया जा रहा है। तब भगवान् उसे उस गरीब व्यक्ति को पैसे देने वाली बात बताते है कि उस व्यक्ति की पत्नी और दो बच्चो की जीव हत्या का कारण तू है। तू उसे पैसे न देता तो वो शराब पीकर अपनी पत्नी को दुःख नही देता। सेठ बोलता है प्रभु मैने तो एक गरीब को दान दिया है और शास्त्रों में भी दान देने की बात लिखी है। तब भगवान् ने कहा कि दान देने से पहले पात्र की योग्यता तो परखनी चाहिए की वो दान लेने के योग्य है या नहीं,या उसे किस प्रकार के दान की जरुरत है। तुमने धन देकर उसकी मदद क्यों की, तुम उसको भोजन भी करा सकते थे। और रही बात उसकी दरिद्रता की तो उसे देना होता तो मैं ही दे देता, वो जिस योग्य था उतना मैने उसे दिया, जब मैने ही उसकी अयोग्यता के कारण उससे सब कुछ नहीं दिया तो तुम्हें उसे क्या जरुरत थी धन देने की, तुम उसे भोजन भी करवा सकते थे। और तुम्हारे दिये हुए धन-दान के कारण तीन जीवों हत्याए हुई है और इन हत्याओं के पाप का फल अब तुम्हे भुगतना पड़ेगा। सो कहने का तातपर्य ये हैं कि - दान देना बुरी बात नही लेकिन देने से पहले ये परख ले की आप जो दान कर रहे है उसका उपयोग किसी पाप कर्म में तो नही हो रहा है। आप पहले देखें कि आपका दान किसी का भला

करने से सार्थक हो भी रहा है या नही । भले ही दान हेतु आपके भाव श्रेष्ठ हो , लेकिन अगर आपके द्वारा दिये दान से कोई पाप कर्म फलित होता है, तो आपको उस दिए दान के पुण्य के साथ-साथ उसके पाप के फल को भी भोगना होगा।

अगर आपके दान से कोई बुरा कर्म फलित करता है तो उसके साथ कर्म का भागीदार आपको भी बनना पड़ेगा , क्योकि इस कर्म को फलित करने के लिए पानी सीचने का काम तो आप ही ने किया।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com** **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

कब है अनंत चतुर्दशी? जानें शुभ मुहूर्त और महत्व

अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर को मनाई जाएगी। यह त्योहार भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष के 14वें दिन पड़ता है। यह दिन गणेश विसर्जन के अनुष्ठान के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसमें भक्त भगवान गणेश की मूर्तियों को पानी में विसर्जित करके उन्हें विदाई देते हैं। जानें अनंत चतुर्दशी के उपाय जिन्हें आप कर सकते हैं।

अनंत चतुर्दशी को अनंत चौदस के नाम से भी जाना जाता है, जो ब्रह्मांड के संरक्षक और कई अवतारों वाले देवता भगवान विष्णु के सम्मान में एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है। इस पवित्र दिन पर भक्त भगवान विष्णु के अवतारों में से एक, भगवान अनंत की पूजा करते हैं और समृद्धि और प्रतिकूलताओं से सुरक्षा के लिए उनका आशीर्वाद मांगते हैं।

अनंत चतुर्दशी तिथि और समय 2024

अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर को मनाई जाएगी। यह त्योहार हिंदू कैलेंडर के अनुसार भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष के 14वें दिन पड़ता है। यह दिन गणेश विसर्जन के अनुष्ठान के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसमें भक्त भगवान गणेश की मूर्तियों को पानी में विसर्जित करके उन्हें विदाई देते हैं।

अनंत चतुर्दशी के उपाय

'अनंत' नाम का अर्थ 'अनन्त' है जबकि 'चतुर्दशी' का अर्थ चौदहवें दिन से है। इस दिन, पुरुष पारंपरिक रूप से उपवास करते हैं और अपनी बांहों पर 14 गांठों वाला एक पवित्र धागा बांधते हैं, जो भगवान अनंत के सम्मान में उनके द्वारा ली जा रही 14 साल की मन्नत का प्रतीक है। पिछले पापों से छुटकारा पाने और अपने परिवार और बच्चों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाने के लिए यह व्रत लगातार 14 वर्षों तक मनाया जाता है। यह अनुष्ठान भक्ति, दृढ़ता और दैवीय आशीर्वाद के माध्यम से खोई हुई समृद्धि वापस पाने की आशा को दर्शाता है।

अनंत चतुर्दशी की शुरुआत कैसे हुई

अनंत चतुर्दशी की उत्पत्ति हिंदू पौराणिक कथाओं में निहित है। ऐसी ही एक कहानी पांडवों के बारे में है, जिन्होंने कौरवों के साथ खेल में अपनी संपत्ति और राज्य खो दिया था, जिसके कारण उन्हें 12 साल का वनवास मिला। इस दौरान, राजा युधिष्ठिर ने अपने दुर्भाग्य को दूर करने के लिए भगवान कृष्ण से सलाह मांगी। भगवान कृष्ण ने उन्हें भगवान अनंत की पूजा करने और व्रत रखने की सलाह दी, और वादा किया कि इससे उन्हें अपना खोया हुआ गौरव और राज्य वापस पाने में मदद मिलेगी। अनंत चतुर्दशी से जुड़ी एक और पौराणिक कथा ऋषि कौंडिन्य और उनकी पत्नी सुशीला की कहानी है। सुमंत नामक ब्राह्मण की पुत्री सुशीला को अपने पति के साथ रहते हुए भगवान अनंत की पूजा के महत्व के बारे में पता चला। अपनी बांह पर 14 गांठों वाला एक पवित्र धागा बांधने के बाद, उन्होंने कौंडिन्य को इसका अर्थ समझाया, जिन्होंने पहले तो इनकार कर दिया और धागे को आग में फेंक दिया। इस उपेक्षा के परिणामस्वरूप उन्हें अपनी सारी संपत्ति खोनी पड़ी। अपनी गलती का एहसास होने पर, कौंडिन्य ने भगवान अनंत को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की। कई कठिनाइयों को सहने और लगभग हार मानने के बाद, उन्हें एक साधु ने बचाया और एक गुफा में ले गए जहां भगवान विष्णु प्रकट हुए। भगवान विष्णु ने कौंडिन्य को अपनी खोई हुई संपत्ति वापस पाने के लिए 14 वर्षों तक अनंत चतुर्दशी व्रत करने का निर्देश दिया। कौंडिन्य ने इस व्रत का श्रद्धापूर्वक पालन किया और तभी से यह व्रत अनंत चतुर्दशी के दिन बड़ी श्रद्धा से मनाया जाता है।

अनंत चतुर्दशी के दिन कर लें ये तीन उपाय

दूर होगी घर से नकारात्मक एनर्जी

सनातन धर्म में त्योहारों को विशेष महत्व है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन अनंत चतुर्दशी मनाई जाती है। इस साल अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर, दिन मंगलावर की है। अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु के अनंत रुपों की विधिवत पूजा करने का विधान है। इसके साथ ही इस लेख में हम आपको कुछ सरल ज्योतिष उपाय करने से अनंत लाभों की प्राप्ति हो सकती है। आइए जानते हैं अनंत चतुरदर्शी के दिन किन उपायों के करने से घर में सुख-समृद्धि रहती है।

नकारात्मकता दूर करने के उपाय

अगर आपके घर में या आसपास आपको नकारात्मकता महसूस होती है तो अनंत चतुर्दशी के दिन कलश में 14 लौंग और कपूर डालकर उसे जलाएं और फिर उस कलश को चौराहें पर रख आएं। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाएगी और सकारात्मकता बढ़ेगी।

बुरी नजर से बचने का उपाय

अनंत चतुर्दशी के दिन अनंत सूत्र बांधना अत्यंत शुभ होता है। इस दिन 14 गांठ वाले इस धागे में हर बुरी शक्ति को दूर करने की क्षमता होती है। आप भी इस दिन अनंत सूत्र अवश्य बांधें। अनंत सूत्र में हल्दी की गांठ बांधकर इससे पहनना और भी अधिक शुभ माना जाता है।

भगवान विष्णु से संबंधित यह उपाय करें

अगर आप अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाने के लिए घर के मुख्य द्वार, पूर्व दिशा और रसोई में से किसी भी एक स्थान पर घी का पंचमुखी दीया जलाएं। या फिर आप कलावे की बत्ती का घी वाला दीया भगवान विष्णु के सामने जलाएं। इससे प्रसन्न होकर भगवान विष्णु कृपा बरसाएंगे।

एक चट्टान को काटकर बनाया गया था यह प्राचीन मंदिर

हिमालय प्रदेश हरियाली और बर्फ के पहाड़ों से ढका बेहद खूबसूरत राज्य है। इस राज्य की खूबसूरती को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां पर कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनका हिंदू धर्म में काफी मान्यताएं हैं। अगर आप भी मंदिर से जुड़े इतिहास को जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आज हम आपको मसरूर रॉक कट टेंपल के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि यह रहस्यों से भरा हिमाचल का एकलौता मंदिर है। इस मंदिर की खासियत यह है कि इसको पहाड़ के एक पत्थर को तराश कर बनाया गया है। इस मंदिर को देखने के बाद आप सोच में पड़ जाएंगे कि पुराने समय में बिना टेक्नोलॉजी के इस मंदिर का निर्माण कैसे किया गया था। तो आइए जानते हैं इस मंदिर की खासियत...

लेना पड़ता है टिकट

मसरूर रॉक कट टेंपल में दर्शन करने जाने के लिए आपको टिकट लेना होगा। आप चाहें तो ऑनलाइन टिकट भी ले सकते हैं या फिर यहां पहुंचने के बाद टिकट ले सकते है। इंडियन एडल्ट के लिए 20 रुपए टिकट है। समुद्र लेवल से लगभग 2535 फीट की हाइट पर यह मंदिर स्थित है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में किया गया था। वहीं आपको जानकर हैरानी होगी कि इस मंदिर को बनाने के लिए किसी मशीन का इस्तेमाल नहीं किया गया था।

मंदिर के सामने दिखेंगी खूबसूरत झीलें

मसरूर रॉक कट टेंपल दिलचस्प होने के साथ बेहद खूबसूरत है। इस मंदिर के सामने एक बेहद सुंदर झील है, जो यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। आप यहां पर मछलियों को दाना डाल सकते हैं। वहीं मंदिर से कुछ दूरी पर एक सुंदर व्यू पॉइंट है। जहां से आप प्रकृति का बेहद शानदार नजारा देखने को मिलेगा।

भूकंप से डैमेज हो गई थीं दीवारें

बता दें कि यह मंदिर आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अंदर आता है और इस मॉन्यूमेंट को टैग किया गया है। ऐसे में यहां आने के दौरान कूड़ा-कचरा न फैलाएं और न ही यहां की दीवारों को डैमेज करें। क्योंकि मंदिर में बनी चट्टान की दीवारें कहीं-कहीं डैमेज हुई हैं। साल 1905 में आए एक भयंकर भूकंप के कारण मंदिर की दीवारें डैमेज हो गई हैं। हालांकि भूकंप ने मंदिर को अधिक नुकसान नहीं पहुंचाया था। आज भी इस मंदिर में भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां सुरक्षित हैं।

पैसे चढ़ाने की नहीं है अनुमति

इस मंदिर में आपको राम जी, लक्ष्मण जी और सीता जी की मूर्तियां देखने को मिलेगी। क्लोज कल सर्वे ऑफ इंडिया तहत यह मंदिर आने के कारण यहां पर पैसे चढ़ाने की अनुमति नहीं है। आप मंदिर में दर्शन करने के बाद मंदिर के आसपास घूम सकते हैं। मसरूर रॉक कट टेंपल में विष्णु, ब्रह्मा, दुर्गा, सूर्य और बहुत से भगवानों की खूबसूरत नक्काशियां देखने को मिलेगी।

मसरूर रॉक कट टेंपल

भारत के हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में मसरूर रॉक कट टेंपल स्थित है। आप यहां पर सड़क मार्ग, रेल मार्ग और हवाई मार्ग से पहुंच सकते हैं। यह मंदिर दिल्ली से sकरीब 460 किमी दूर है। वहीं धर्मशाला से करीब 45 किमी दूर है।

हनुमान जी के इस मंदिर में चोला चढ़ाने के लिए करना पड़ता है 22 साल इंतजार

वैसे तो श्रीराम भक्त हनुमान के बहुत सारे मंदिर हैं। लेकिन मध्यप्रदेश के मंदसौर में हनुमान जी का एक अनोखा मंदिर है। इस मंदिर को तलाई वाले बालाजी का मंदिर कहा जाता है। हालांकि यह मंदिर कितना प्राचीन है, इस बारे में जानकारी नहीं प्राप्त है। बताया जाता है कि पहले खुले चबूतरे पर स्थापित इस मंदिर के किनारे पर तलाई हुआ करती थी। इस वजह से मंदिर का नाम तलाई वाले बालाजी पड़ गया। इस मंदिर की खासियत है कि यहां पर भक्तों को चोला चढ़ाने के लिए 1-2 साल नहीं बल्कि पूरे 22 साल इंतजार करना पड़ता है।

आपको जानकर हैरानी होगी कि अगर आप इस मंदिर में मंगलवार या शनिवार के दिन चोला चढ़ाने के लिए बुकिंग करते हैं, तो आपको साल 2046 तक इंतजार करना होगा। क्योंकि मंगलवार 2024 को आपकी रसीद कटेगी, तो वहीं 22 साल बाद आप चोला चढ़ा पाएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर इस मंदिर में हनुमान जी को चोला चढ़ाने के लिए 22 साल इंतजार क्यों करना पड़ता है।

भोग और राम रक्षा स्तोत्र के लिए लगती है लाइन

तलाई वाले बालाजी मंदिर में मंगलवार और शनिवार के दिन राम रक्षा स्त्रोत का हवन कराने और

भोग के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है।

इन मंदिर की मान्यता

धार्मिक मान्यका के अनुसार, जो भी व्यक्ति तलाई वाले बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान करता है, उसके सभी कष्ट दूर होते हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी इस मंदिर में अनुष्ठान किया था। वहीं देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस मंदिर में अनुष्ठान कर चुके हैं। इस मंदिर में दर्शन करने आने वाले जातकों की सभी मुरादें पूरी होती हैं।

स्वयंभू मूर्ति के लिए है फेमस

तलाई वाले बालाजी का मंदिर अपनी स्वयंभू मूर्ति के लिए फेमस है। माना जाता है कि इस मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति चमत्कारिक घटना से आई थी। यह मूर्ति करीब 7 फीट ऊंची है और इस मूर्ति में हनुमान जी को बैठे हुए मुद्रा में दर्शाया गया है। तलाई वाले बालाजी का मंदिर अपनी भव्यता के लिए भी जाना जाता है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण प्राचीन वास्तुकला के अनुसार किया गया है। मंदिर परिसर में अन्य कई देवी-देवताओं की भी प्रतिमाएं हैं। इन प्रतिमाओं में श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, गणेश जी और भगवान शिव की मूर्ति शामिल है।

चोला चढ़ाने के लिए क्यों करना पड़ता है लंबा इंतजार

बता दें कि हिंदू धर्म में 22 साल का संबंध चक्र और धर्म से जुड़ा होता है। माना जाता है कि 22 साल बाद आत्मा का जीवन शुरू होता है। इसलिए 22 साल बाद तीर्थ स्थलों का दर्शन करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्त होता है। साथ ही पिछले पापों से मुक्ति मिलती है। धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक जो भी जातक 22 साल बाद इस मंदिर में चोला चढ़ाता है, उसको प्रभु श्रीराम की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा।

वृष मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।

कर्क मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है।

सिंह संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी।

कन्या शत्रुओं का पराभव होगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी।

तुला वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिक तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मकर बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रमाद न करें।

कुंभ व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

माता लक्ष्मी को लगाएं ये 12 भोग तो होगी धन वर्षा

शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी को यदि ये भोग लगाएंगे तो उनकी कृपा सदा आप पर बनी रहेगी। लेकिन ध्यान रहे कि माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना सदा भगवान विष्णुजी के साथ ही करना चाहिए। लक्ष्मीजी को धन की देवी माना गया है। कहते हैं कि अर्थ बिना सब व्यर्थ है। लक्ष्मीजी को प्रसन्न करने के लिए उनके प्रिय भोग को लक्ष्मी मंदिर में जाकर अर्पित करना चाहिए।

लक्ष्मी भोग

1. केसर भात : पीले रंग के केसर भात भी माता को अर्पित करके उन्हें प्रसन्न किया जाता है।

2. पीले रंग के मिष्ठान : माता लक्ष्मी को पीले और सफेद रंग के मिष्ठान अर्पित किए जाते हैं।

3. खीर : माता लक्ष्मी को चावल की खीर में किशमिश, चारोली, मखाने और काजू मिलाकर अर्पित करें।

4. हलुआ : शुद्ध घी का हलुआ माता को प्रिय है।

5. ईख (गन्ना) : दीपावली के दिन गन्ना को इसलिए अर्पित किया जाता क्योंकि उनके सफेद हाथी को यह प्रिय है।

6. सिंघाड़ा : सिंघाड़ा माता लक्ष्मी को बहुत ही पसंद है। इसकी उत्पत्ति भी जल से होती है।

7. मखाना : जिस तरह माता लक्ष्मी की उत्पत्ति समुद्र से हुई उसी तरह मखाने की उत्पत्ति भी जल से हुई है। मखाना कमल के पौधे से मिलता है।

8. बताशे : पताशा या बताश भी माता लक्ष्मी को बहुत प्रिय है। रात्रि की पूजा में इसे अर्पित किया जाता है।

9. नारियल : नारियल को श्रीफल भी कहते हैं। इसमें सबसे शुद्ध जल भरा रहता है। श्रीफल होने के कारण माता को यह बहुत पसंद है।

10. पान : माता लक्ष्मी की पूजा में मीठा पान का बहुत महत्व है। यह प्रसन्नता और समृद्धि का प्रतीक है।

11. अनार : मां लक्ष्मी को फलों में अनार बेहद प्रिय है। दीपावली की पूजन के दौरान अनार जरूर अर्पित करें।

12. गुजिया : होली के अवसर पर यह बनाई जाती है। जो कोई भी व्यक्ति एक लाल फूल अर्पित कर लक्ष्मीजी के मंदिर में उन्हें यह भोग लगाता है तो उसके घर में हर तरह की शांति और समृद्धि रहती है। किसी भी प्रकार से धन की कमी नहीं होगी।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

चारा काटने गए किसान को सांप ने काटा, मौत

लखनऊ। निगोहां के नन्दौली गांव में मवेशियों के लिए खेत में चारा लेने गए एक किसान को सांप ने काट लिया। परिवारीजनों ने ग्रामीणों के साथ उसे मोहनलालगंज सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। नदौली के संतोष कुमार (42) खेती किसानी करने के साथ गांव में ही परचून की गुमटी खोल रखी थी। परिवारीजनों के मुताबिक शनिवार शाम संतोष मवेशियों के लिए चारा काटने खेत गया था। जहां वह चारा काटकर घर आ रहा था कि खेत की मेड़ पर बैठे एक सांप ने उसे काट लिया। जब देर शाम तक संतोष कुमार घर नहीं पहुंचा तो परिवारीजनों खोजते हुए खेत कि तरफ पहुंचे तो देख कर दंग रह गए संतोष खेत की मेड़ पर बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था। इसके बाद वह ग्रामीणों के साथ उसे सीएचसी मोहनलालगंज लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवारीजनों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी उर्मिला व तीन बेटे है आदर्श कुमार, रवि, अवनीश कुमार का रो-रो बुरा हाल है।

पैनल में फ्लैशिंग से लाइनमैन झुलसा

वाराणसी। अंडरग्राउंड केबल के पैनल में फ्लैशिंग से एक सरकारी लाइनमैन झुलस गया। घटना शनिवार दोपहर करीब तीन बजे हुई। मौके पर मौजूद साथियों ने लाइनमैन का उपचार कराया। उधर गुरुधाम उपकेंद्र से जुड़े अफसर घटना छिपाने में लगे रहे। सूत्रों के अनुसार घटना बिजली प्रवाहित और पैनल के जर्जर होने से हुई। बताया जा रहा है कि साकेत नगर में एक लान के पास पैनल में आग लग गई थी। मरम्मत करने के बाद सरकारी लाइनमैन ने शटडाउन वापस ले लिया।

हाथ पर मेहंदी से प्रेमी के नाम लिख लगाई फांसी

वाराणसी। लखराव में शनिवार रात 17 वर्षीय एक किशोरी ने फांसी लगा ली। उसने हाथों में प्रेमी के नाम की मेहंदी लगा रखी थी। फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची भेलूपुर पुलिस ने परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की। फॉरेंसिक टीम ने कमरे की जांच पड़ताल के बाद कई सामान जब्त किए हैं। भेलूपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार शुक्ला ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की वजह प्रेमी का जेल जाना सामने आया है। पांच दिन पहले प्रेमी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। परिजनों ने किशोरी पर दबाब डालकर प्रेमी के खिलाफ अपहरण समेत कई मामलों में मुकदमा दर्ज कराया था।

भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही चल रहा लोकतंत्र : हरिवंश नारायण

एजेंसी । गोरखपुर

गोरखनाथ मंदिर में रविवार को आयोजित 'लोकतंत्र की जननी है भारत विषयक सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के संस्कार पांच हजार वर्ष पुराने भारतीय मूल्यों से गढ़े गए हैं। सही मायने में भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही लोकतंत्र चल रहा है। हरिवंश ने कहा कि खुलकर अपनी बात रखना ही लोकतंत्र का यथार्थ है और यह मूल्य भारत की हजारों वर्षों की परंपरा में निहित रहे। भारतीय लोकतंत्र में जनता को हर प्रकार की आजादी के साथ खामी को भी ठीक करने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी मूल्यों से प्रभावित लोगों ने ही भारतीय लोकतंत्र को आयातित समझने की भूल की है। इस भूल का कारण यह रहा कि भारतीय लोकतंत्र को यूनान को नजर से देखने की आदत डाली गई। उन्होंने कहा कि भारत को आजादी मिलने के बाद कई विदेशी विद्वानों ने कहा था कि भारत में लोकतंत्र टिकेगा नहीं और आज उसका जवाब यह है कि अगले साल हम संविधान लागू होने का अमृत वर्ष मनाने जा रहे हैं।

हरिवंश ने कहा कि आज भारत अपने को लोकतंत्र की जननी के वास्तविक नजरिये से दुनिया के सामने पेश कर रहा है। पहले इस विषय पर चर्चा नहीं होती थी। आज भारत ने जी-20 सम्मेलन का माध्यम से इस पर बात की। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी भारतीय लोकतंत्र को लेकर महत्वपूर्ण विमर्श को ऐसे आयोजनों से आगे बढ़ा रहे हैं। राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि भारत में वेद, पुराण, उपनिषद की और ऋषियों की परंपरा के मूल्य थे। हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में धर्म मार्गदर्शक की भूमिका में था, इसलिए हमारे यहां आततायी शासकों का वर्णन नहीं मिलता है।

प्राचीनकाल के गांवों में थी आत्मशासन की व्यवस्था

हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी इसलिए कहा जाता है कि यहां प्राचीनकाल से गांव स्तर तक लोकतंत्र सम्मत आत्मशासन की व्यवस्था थी। जनजातीय क्षेत्रों में भी लोकतांत्रिक मूल्यों वाली स्थानीय परिषदें थीं। भारत के भक्ति आंदोलन ने भी लोकतंत्र की अलख जगाकर इसे सम्पुष्ट किया।

अब जाकर बना 100 साल का रोडमैप

राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि भारत में आजादी के बाद अब जाकर देश के अगले सौ साल का रोडमैप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बना है। उन्होंने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक लाख युवाओं को राजनीति में आने का आह्वान किया है। जबकि चीन ने 1947-48 में ही अपने लिए सौ साल की कार्ययोजना बना ली थी। सत्तर के दशक में चूक हुई और चीन हमसे पांच गुना आगे बढ़ गया।

अब्राहम लिंकन के 2700 पूर्व प्रजातंत्र का उल्लेख

हरिवंश ने कहा कि अब्राहम लिंकन द्वारा लोकतंत्र की परिभाषा देने से 2700 वर्ष पूर्व कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कहा गया है कि प्रजा के सुख में राजा का सुख निहित है। अशोक के धौली शिलालेख में लिखा है, सारी प्रजा मेरी संतान है। यह सब लोकतंत्र के मूल्य ही तो हैं। अथर्ववेद में भी लोकतांत्रिक प्रणाली का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश इतिहासकार थॉमसन ने कहा था कि लंदन के हाउस ऑफ कॉमंस के नियम भारत की पुरानी सभाओं से लिए गए लगते हैं। जार्ज बर्नाड शॉ ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा था कि ग्रीक और रोम की सभ्यता मिट गई लेकिन भारत की सभ्यता, संस्कृति कैसे बची रही, यह रहस्यमय है। वास्तव में इसका सीक्रेट यह है कि भारत की सभ्यता और संस्कृति वेदों, पुराणों की है, ऋषियों की है। भारत की सभ्यता, संस्कृति पुराने मूल्यों से बची रही।

रामराज की संकल्पना को साकार कर रहे सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रामराज की संकल्पना साकार करने वाला बताते हुए श्री हरिवंश ने कहा कि रामराज की स्पिरिट योगी जी में दिखती है। समान रूप से सबको न्याय, सुरक्षा के पुरातन भारतीय मूल्य योगी जी की कार्यपद्धति में नजर आते हैं। राज्यसभा के उपसभापति ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि अतीत के महापुरुषों को याद करना भविष्य के लिए प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण में इन दोनों गोरक्षपीठाधीश्वरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

उपकेंद्र में घुसा पानी, 70 गांवों की बिजली पर संकट

प्रयागराज। थरवई विद्युत उपकेंद्र में बाढ़ का पानी रविवार से प्रवेश कर गया। ऐसे ही हालत रहे तो इस उपकेंद्र से जुड़े करीब सत्तर गांवों में बिजली संकट खड़ा हो जाएगा। थरवई उपकेंद्र मनसइता नदी के पास गोड़वा गांव में बना हैं। हर बार बाढ़ में यह उपकेंद्र डूब जाता है। जिससे सबस्टेशन में लगे उपकरण खराब हो जाते हैं। स्थानीय निवासी अमर बहादुर चौरसिया, महेन्द्र कुमार शुक्ला, प्रमोद मौर्या, पवन कुशवाहा, रतन सिंह, प्रधान राजेश कुमार, प्रधान महेंद्र गिरि, राम अंचल यादव का कहना है की जब बाढ़ आती हैं तभी बिजली विभाग के अधिकारी दूसरी जगह उपकेंद्र के लिए जमीन की तलाश शुरू करते हैं और जैसे बाढ़ खत्म हो जाती हैं फिर भूल जाते हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों की इस लापरवाही का खमियाजा हर साल 70 गांवों के लोगों को भुगतना पड़ता हैं। बाढ़ का पानी घुसने की जानकारी पर एक्सईएन गंगापार एसबी ठाकुर ने उपकेंद्र का निरीक्षण किया और वैकल्पिक आपूर्ति के लिए सोरांव सबस्टेशन से जोड़ने की तैयारी करने का आदेश दिया। एक्सईएन ने बताया की दूसरी जगह उपकेंद्र बनाने के लिए कई बार पत्राचार के बावजूद सोरांव तहसील प्रशासन जमीन नहीं उपलब्ध करा पा रहा हैं। बड़नपुर में एक जमीन मिली उसको भी राजस्व विभाग फाइनल नहीं करा पाया जिससे नया उपकेंद्र नहीं बन पा रहा है।

बाग में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भद्दरसा। पूराकलन्दर थाना क्षेत्र के मोहीउद्दीनपुर गांव के रहने वाले युवक ने सोखावा की बाग में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोहीउद्दीन पुर गांव के मजरे दूबे का पुरवा निवासी बुधिराम (35) पुत्र राम औतार शनिवार की सुबह घर से निकला था। शाम तक वह नहीं लौटा।

शाम लगभग सात बजे कुछ लोग सोखावा बाग में गये तो देखा कि एक युवक गमछे से चिलबिल के पेड़ में फांसी लगाकर लटका है। उसकी पहचान बुद्धिराम पुत्र राम औतार के रूप में हुई। फांसी लगाने का कारण आर्थिक तंगी बताई जा रही है। बताया जा रहा कि मृतक काफी कर्जदार हो गया था। जिससे वह काफी परेशान था। इसी कारण

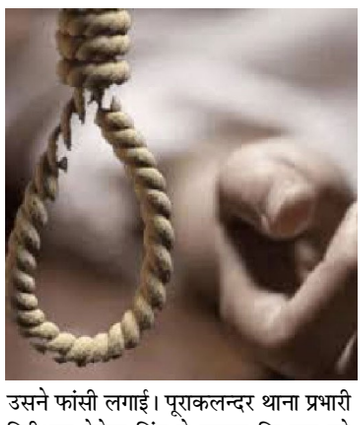

उसने फांसी लगाई। पूराकलन्दर थाना प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फांसी लगाने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

जाति देखकर अपराधियों को सजा या माफी दी जाती है : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को जंगलराज में बदल दिया है। जाति देखकर अपराधियों को सजा या माफी दी जाती है। पुलिस जनता की सुरक्षा करने के बजाय उल्टे उन्हें प्रताड़ित कर रही है। लोगों की जान ले रही है। झूठे मुकदमें में निर्दोषों को फंसाया जा रहा है।

अखिलेश ने रविवार को जारी बयान में कहा कि पुलिस असली अपराधियों को पकड़कर उनके खिलाफ कार्रवाई के बजाय कहीं गरीब और निरीह लोगों का फर्जी एनकाउण्टर करती है तो कहीं हिरासत में ही पीट-पीटकर मार देती है। भाजपा सरकार में पुलिस द्वारा लखीमपुर खीरी जिले के फरदान थाना क्षेत्र में पुलिस पिटाई से एक और दलित युवक की मौत हो गयी है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पीडीए के साथ अन्याय, अत्याचार कर रही है। इस सरकार में दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यक समाज के नौजवानों के खिलाफ पुलिस का अत्याचार नहीं बंद हो रहा है। अयोध्या में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार एक युवती का जो वीडियों बयान सामने आया है, उससे उत्तर प्रदेश में बढ़ रहे महिला उत्पीड़न और अत्याचार का मूल करण सामने आ गया है। कुछ असंवेदनशील पुलिस कर्मियों की वजह से पीड़िता को रिपोर्ट लिखवाने के लिए कितना अधिक प्रताड़ित होना पड़ा। रिपोर्ट लिखने की जटिलता के कारण कितने अपराध दर्ज नहीं हो पाते जिससे अपराधियों के हौसले बुलन्द हो जाते हैं। महिला अपराध और कानून व्यवस्था पर क्या यही जीरों टॉलरेंस है। सरकार बताये की उसका एंटी रोमियो स्क्वायड कहां लुप्त हो गया।

व्यापार जगत

100 करोड़ डॉलर का IPO फाइल कर सकती है स्विगी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय फूड-डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी लिमिटेड आईपीओ लाने की तैयारी में है। कंपनी इस सप्ताह आईपीओ के लिए सेबी के पास डॉक्यूमेंट फाइल कर सकती है। ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबकि स्विगी अपने IPO के जरिये 1 बिलियन डॉलर (100 करोड़ डॉलर) से ज्यादा जुटा सकती है। बेंगलूरु स्थित कंपनी स्विगी आईपीआं फाइलिंग के लिए आगे बढ़ने के लिए सेबी से मंजूरी मिलने का इंतजार कर रही है।

प्राइस बैंड समेत पर चर्चा

रिपोर्ट के मुताबिक, स्विगी आईपीओ को लेकर प्राइस बैंड और तारीख समेत अन्य डिटेल्स पर अभी भी चर्चा चल रही है और इसमें बदलाव संभव है। हालांकि, स्विगी की तरफ से इस बारे में अभी कोई बयान नहीं आया है। बता दें कि साल 2014 में स्थापित स्विगी ने दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में फूड डिलिवरी करने में मदद करने के लिए भारत भर में 150,000 से अधिक रेस्तरां के साथ साझेदारी की है। इसका मुकाबला जोमैटो लिमिटेड, ई-कॉमर्स दिग्गज Amazon.com इंक की भारतीय यूनिट और टाटा समूह की बिगबास्केट जैसी कंपनियों से है।

और भी दिग्गज कंपनियों के आ सकते हैं IPO

सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प द्वारा समर्थित स्विगी अन्य स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के नक्शेकदम पर चलेगी जो देश की आर्थिक वृद्धि और वैश्विक निवेशकों की मांग को टैप करने की मांग कर रही हैं। ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक पहली बार शेयर बिक्री के माध्यम से लगभग 7.8 बिलियन डॉलर जुटाए गए हैं, जो पिछले दो वर्षों में से प्रत्येक में आय से अधिक है। आने वाले महीनों में और लिस्टिंग की उम्मीद है। हुंडई मोटर कंपनी इस साल अपनी स्थानीय भारतीय यूनिट में शेयर बेचने की योजना बना रही है, जो भारत में सबसे बड़ी लिस्टिंग में से एक हो सकती है। वहीं, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक ने अपने भारतीय कारोबार की संभावित लिस्टिंग के लिए बैंकों को चुना है, जो 1.5 अरब डॉलर तक जुटा सकते हैं।

अगले हफ्ते से बदल जाएंगे UPI ट्रांजेक्शन के नियम

एजेंसी । नई दिल्ली

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का यूज कर टैक्स पेमेंट के लिए ट्रांजेक्शन लिमिट बढ़ा दी है। इससे देश के लाखों टैक्सपेयर्स को फायदा होगा। अब टैक्सपेयर्स 5 लाख रुपए तक टैक्स का भुगतान करने के लिए यूपीआई का उपयोग कर सकते हैं। नए बदलाव का उद्देश्य यूपीआई का उपयोग करके बड़े ट्रांजेक्शन को आसान बनाना और बढ़ावा देना है। 24 अगस्त के एनपीसीआई के सर्कूलर के अनुसार यूपीआई एक पसंदीदा भुगतान पद्धति के रूप में उभरने के साथ, स्पेसिफिक कैटेगरीज के लिए यूपीआई में प्रति ट्रांजेक्शन लिमिट को बढ़ाने की आवश्यकता है इन सभी बातों को देखते हुए यूपीआई में प्रति ट्रांजेक्शन वैल्यू लिमिट बढ़ा दी गई है। अब टैक्स पेमेंट से जुड़ी कैटेगरीज के तहत संस्थाओं के लिए इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया गया है। 8 अगस्त, 2024 को RBI ने UPI के माध्यम से कर भुगतान की सीमा 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए प्रति ट्रांजेक्शन करने की घोषणा की।

सोमवार (16 सितंबर) से, अपडेटिड यूपीआई लिमिट अस्पताल के खर्च, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, आईपीओ और आरबीआई रिटेल डायरेक्ट स्कीम्स सहित अन्य ट्रांजेक्शन के लिए भी लागू होगी। हालांकि, ये ट्रांजेक्शन वेरिफाइड

मर्चेंट्स के माध्यम से किए जाने चाहिए, और यूजर्स को भी यह चेक करना जरूर चाहिए कि उनके बैंक और यूपीआई ऐप्स बढ़ी हुई सीमा का सपोर्ट करते हैं या नहीं। इसके अलावा, एनपीसीआई ने बैंकों, पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स और यूपीआई ऐप्स को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि नई ट्रांजेक्शन लिमिट 15 सितंबर, 2024 तक लागू हो। उन्हें एमसीसी 9311 के सख्त मर्चेंट कैटेगराइजेशन रूल्स का भी पालन करना होगा। इन कंपनियों को हाई लिमिट, विशेषकर टैक्स पेमेंट के लिए पेमेंट मैकेनिज्म के रूप में यूपीआई को स्वीकार करना होगा।

विभिन्न पेमेंट्स के लिए यूपीआई ट्रांजेक्शन लिमिट्स

पीयर-टू-पीयर ट्रांजेक्शन के लिए स्टैंडर्ड यूपीआई ट्रांजेक्शन की लिमिट 1 लाख रुपए है। हालांकि, बैंक अपनी यूपीआई ट्रांजेक्शन लिमिट्स खुद तय कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, बैंक-वार लिमिट जारी करने वाले Google Pay UPI के अनुसार, इलाहाबाद बैंक में UPI लेनदेन की सीमा 25,000 रुपए है। जबकि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक ने पीयर-टू-पीयर पेमेंट के लिए 1 लाख रुपये तक के यूपीआई लेनदेन की अनुमति दी है।

शेयर बाजार ही नहीं FPI भी बना रहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय बाजार की मजबूती तथा अमेरिका में ब्याज दर में कटौती की उम्मीद बढ़ने के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले पखवाड़े में स्थानीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 27,856 करोड़ रुपए का निवेश किया है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो अगले 15 दिनों में ये आंकड़ां 40 हजार करोड़ रुपए को पार सकता है। जोकि मौजूदा साल में किसी महीने में एफपीओ की ओर से सबसे ज्यादा निवेश होगा। एफपीआई जून से लगातार भारतीय बाजार में लिवाल रहे हैं। इससे पहले अप्रैल-मई में उन्होंने शेयरों से 34,252 करोड़ रुपए निकाले थे।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अब

सभी का ध्यान अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की बैठक पर है। बैठक के नतीजों से भारतीय शेयरों में एफपीआई के निवेश का रुख तय होगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने (13 सितंबर तक) अबतक शेयरों में शुद्ध रूप से 27,856 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके साथ ही इस साल अबतक शेयरों में एफपीआई का निवेश 70,737 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस समेत 3 आईपीओ की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। सोमवार का दिन निवेशकों के लिए काफी अहम है। इस दिन उनपर पैसों की बारिश हो सकती है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि प्राइमरी मार्केट के लिए सोमवार का दिन बेहद अहम है। इस दिन तीन दिग्गज कंपनियों के आईपीओ मार्केट में लिस्ट होने वाले है। इन आईपीओ ने पहले ही ग्रे मार्केट में धूम मचाई हुई है और अब बाजार में धमाकेदार एंट्री के लिए तैयार हैं। इसमें बजाज हाउसिंग फाइनेंस, टॉलिन्स टायर्स और क्रॉस लिमिटेड के

आईपीओ का नाम शामिल है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ सोमवार, 16 सितंबर को लिस्ट होने वाला है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी ने 6,560 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था। इसमें से 3,560 करोड़ रुपये फ्रेश इश्यू के जरिए जारी किए गए हैं। ऑफर फॉर सेल के तहत 3,000 करोड़ रुपये के शेयर जारी किए गए थे। कंपनी ने शेयरों का प्राइस बैंड 66 से 70 रुपये प्रति शेयर के बीच तय किया था। आईपीओ के जीएमपी की बात करें तो यह तगड़ी कमाई का संकेत दे रहा है। कंपनी के शेयर शनिवार, 15 सितंबर को 81 रुपये के जीएमपी यानी 115.71 फीसदी के प्रीमियम पर बने हुए हैं।

दलीप ट्रॉफी

रिकी भुई का शतक भी भारत डी को नहीं दिला पाया जीत

भारत ए ने 186 रन से दी करारी मात

एजेंसी । अनंतपुर

दलीप ट्रॉफी के राउंड 2 मुकाबले में भारत ए ने भारत डी को 186 रन से करारी मात दी है। इस मैच में भले ही भारत डी के बल्लेबाज रिकी भुई ने शानदार शतक लगाया, लेकिन वह भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। शम्स मुलानी और तनुष कोटियान की फिरकी के जादू के सामने भारत डी काफी फिंकी नजर आईं। यह भारत डी की लगातार दूसरी हार है।

कल के 44 रन से आगे खेलते हुए भुई ने 195 गेंद में 14 चौकों और तीन छक्कों से 113 रन की पारी खेली लेकिन इसके बावजूद 488 रन के लक्ष्य का पीछा करते

हुए भारत डी की टीम 301 रन पर सिमट गई। इस जीत से भारत ए को छह अंक मिले जिससे टीम खिताब की दौड़ में बनी हुई है। टीम को हालांकि 19 सितंबर से यहां होने वाले अगले मैच में अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे भारत सी (नौ अंक) के खिलाफ अनुकूल नतीजे की जरूरत होगी। लगातार दो हार के साथ खिताब की दौड़ से बाहर हुए भारत डी को अगले मैच में दूसरे स्थान पर मौजूद भारत बी से भिड़ना है जिसके सात अंक हैं। भारत डी के बल्लेबाजों को कोटियान (73 रन पर चार विकेट) और मुलानी (117 रन पर तीन विकेट) ने काफी परेशान किया। भुई के अलावा कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया।

भुई ने यश दुबे (37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन जोड़े। दुबे के रन आउट होने से यह साझेदारी टूटी। अगले ओवर में मुलानी ने देवदत्त पडिक्कल को पगबाधा करके भारत डी का स्कोर तीन विकेट पर 105 रन किया। भुई ने कप्तान श्रेयस अय्यर (41) के साथ चौथे विकेट के लिए 53 और संजू सैमसन (40) के साथ पांचवें विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी की।

भारत ए की जीत

स्पिनर के लिए अनुकूल पिच पर हालांकि आक्रामक रवैया दिखाने का भारत डी को अधिक फायदा नहीं मिला। श्रेयस और सैमसन को मैन ऑफ द मैच मुलानी ने बोल्ड किया। भुई ने हालांकि एक छोर संभाले रखा और 170 गेंद में शतक पूरा किया। ऑफ स्पिनर कोटियान ने इसके बाद सारांश जैन (05) की पारी का अंत किया और फिर भुई को रियान पराग के हाथों कैच कराया। कोटियान ने सौरभ कुमार (22) और हर्षित राणा (24) को आउट करके भारत ए की जीत सुनिश्चित की।

नीरज ने बताया डायमंड लीग में गोल्ड से चूक जाने का कारण

सत्र का शानदार अंत

टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद पेरिस खेलों में रजत जोड़कर उन्होंने सत्र का शानदार अंत किया। सत्र के बारे में उन्होंने कहा, ''2024 सत्र समाप्त हो गया है तो मैं साल भर में सीखी गई सभी चीजों को देखता हूं जिसमें सुधार, असफलतायें, मानसिकता और बहुत कुछ शामिल है। मैं आप सभी को आपके प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। 2024 ने मुझे एक बेहतर एथलीट और इंसान बनाया है। 2025 में मिलते हैं।''

एजेंसी । ब्रसेल्स

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को डायमंड लीग में सिल्वर मेडल से संतुष्ट होना पड़ा। वह गोल्ड जीतने से महज एक सेंटीमीटर से चूक गए। जिसके बाद अब उन्होंने खुलासा किया है कि उन्हें ट्रेनिंग सेशन के दौरान चोट लगी थी। इसके बावजूद उन्होंने फाइनल में भाग लिया और देश का नाम रोशन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया।

चोपड़ा शनिवार को डायमंड लीग का खिताब जीतने के बेहद करीब पहुंच गए थे लेकिन एक सेंटीमीटर से चूक गए और लगातार दूसरे साल 87.86 मीटर के थ्रो से दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा (26 वर्ष) ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कहा, ''सोमवार को अभ्यास के दौरान मैं चोटिल हो गया था और 'एक्स-रे' से पता चला कि मेरे बाएं हाथ की (चौथी मेटाकार्पल) हड्डी में फ्रैक्चर है। यह मेरे लिए एक और दर्दनाक चुनौती थी। लेकिन अपनी टीम की मदद से मैं ब्रसेल्स में भाग लेने में सफल रहा।'' उन्होंने कहा, ''यह साल का अंतिम टूर्नामेंट था। मैं अपनी ही उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका।

डेविस कप : रामकुमार-बालाजी की जोड़ी हारी, स्वीडन से छठी बार हारा भारत

एजेंसी । स्टॉकहोम

रामकुमार रामनाथन और एन श्रीराम बालाजी टुकड़ों में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए तथा पुरुष युगल के करो या मरो मैच में आंद्रे गोरानसन और फिलिप बर्गेवी से हार गए जिससे स्वीडन ने भारत के खिलाफ रविवार को यहां डेविस कप विश्व ग्रुप एक के इस मुकाबले में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल की। भारत शनिवार को दोनों एकल मैच हार गया था और मुकाबले में बने रहने के लिए उसे पुरुष युगल में जीत की जरूरत थी, लेकिन रामकुमार और बालाजी एक घंटे और 19 मिनट तक चले मैच में 3-6, 4-6 से हार गए।

इस तरह से भारत का स्वीडन के खिलाफ डेविस कप में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। यह उसकी स्वीडन के हाथों छठी हार है। इससे उलट एकल के

मुकाबले औपचारिक बन गए हैं। भारतीय जोड़ी को पहले सेट के तीसरे गेम में गोरानसन की सर्विस तोड़ने का मौका मिला। बालाजी और रामकुमार ने ब्रेकप्वाइंट अर्जित करने के लिए लगातार चार अंक हासिल किए लेकिन घरेलू टीम ने खतरा टाल दिया। अगले गेम में रामकुमार की सर्विस टूट गई और बर्गेवी ने अपनी सर्विस बचाए रखी जिससे स्वीडन में 5-2 की मजबूत बढ़त बना ली। इसके बाद स्वीडन की जोड़ी को पहला सेट जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

दूसरे सेट में रामकुमार ने अच्छी शुरुआत की जबकि बर्गेवी ने दो डबल फॉल्ट किए। भारतीय जोड़ी इसका फायदा उठाने के लिए बेताब दिखी लेकिन स्वीडन की टीम ने यह खतरा भी टाल दिया। इसके अगले गेम में बालाजी अपनी सर्विस गंवाने के करीब पहुंच गए थे लेकिन भारतीय जोड़ी ने आखिर में यह गेम बचा दिया। बालाजी हालांकि सातवें गेम में चले संघर्ष पूर्ण मुकाबले में अपनी सर्विस नहीं बचा पाए जिससे स्वीडन की जोड़ी ने बढ़त हासिल कर दी और इसे आखिर तक बरकरार रखते हुए 10वें गेम में मैच अपने नाम कर दिया।

शुभमन गिल बांग्लादेश के खिलाफ नहीं खेलेंगे टी20 सीरीज

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा हैं। हालांकि वह प्लेइंग 11 में अपनी जगह बना पाएंगे या नहीं ये तो मुकाबले के समय ही पता चल पाएगा। लेकिन टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले अब यह रिपोर्ट सामने आई है कि टेस्ट सीरीज के बाद होने वाली टी20 सीरीज में गिल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। उन्हें सीरीज से आराम दिया जा सकता है। शुभमन गिल उन प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कार्यभार प्रबंधन नीति के तहत बांग्लादेश के खिलाफ छह अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए आराम दिया जाएगा। टेस्ट मैचों में भारत के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल के साथ टीम के शीर्ष क्रम में अहम खिलाड़ी हैं और उनके इस सत्र में सभी 10 टेस्ट खेलने की उम्मीद है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए गिल के अलावा कुछ और महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को भी आराम दिया जाएगा। भारत अपने आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत 19 सितंबर से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा जिसका दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''हां, शुभमन को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए आराम दिया जाएगा। अगर आप मैचों की सूची देखें तो तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय सात अक्टूबर (ग्वालियर), 10 अक्तूबर (दिल्ली) और 13 अक्तूबर (हैदराबाद) को खेले जाएंगे। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 16 अक्टूबर से शुरू होगा।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए सिर्फ तीन दिन के अंतर के कारण गिल को आराम देना महत्वपूर्ण है। गिल ने अब तक 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और उनके नाम एक शतक और तीन अर्द्धशतक हैं। उन्होंने लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उन्हें हाल ही में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए कप्तान नियुक्त किया गया था जिसे भारत ने 4-1 से जीता था।

एमबाप्पे और विनिसियस के गोल से मैड्रिड ने सोसीदाद को हराया

एजेंसी । बार्सीलोना

काइलियान एमबाप्पे और विनिसियस जूनियर ने पेनल्टी को गोल में बदला जिससे रीयाल मैड्रिड ने ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में रीयाल सोसीदाद को 2-0 से हराया। सर्जियो गोमेज के हैंडबॉल करने के बाद मैड्रिड को पेनल्टी मिली जिसे विनिसियस ने 58वें मिनट में गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। मैड्रिड को सोसीदाद के डिफेंडर जॉन अरामबुरु के फाउल पर 75वें मिनट में एक और पेनल्टी मिली जिसे एमबाप्पे ने गोल में बदलकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। दिन के अन्य मुकाबालों में सेविला ने गेटाफे को 1-0 से हराया जबकि इस्पानयोल ने अलावेस को 3-2 से शिकस्त दी। विलारीयाल ने मालोर्का को 2-1 से हराया।

बेटी के जन्म के बाद दीपिका ने चेंज किया इंस्टा बायो

बॉलीवुड के पावर कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह 8 सितंबर 2024 को एक बेटी के माता-पिता बन गए हैं। एचएन रिलायंस फाऊंडेशन हॉस्पिटल में दीपिका ने बेबी गर्ल को जन्म दिया था। इस मौके पर कपल ने सोशल मीडिया पर अपने बेबी गर्ल के लिए एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने बताया कि वेलकम बेबी गर्ल, 8.9.2024। हालांकि, अब दीपिका को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज मिल गया है। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के बायो को चेंज कर दिया हैं। दीपिका पादुकोण ने मां के बाद अपने बायो में मदरहुड को लेकर बड़ा अपडेट दिया हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टा के बायो में लिखा है कि फीड, बर्प, स्लीप, रिपीट। दीपिका के बायो का मतलब है कि खिलाओ। डकार लो। सो जाओ। दोहराओ। दीपिका के बायो से ये चीज साफ होता है कि एक्ट्रेस अपने मदरहुड को खूब एन्जॉय करने वाली हैं।

नन्ही परी का हुआ ग्रैंड वेलकम

बता दें कि दीपिका और रणवीर अपनी बेटी के साथ घर आ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नन्ही परी के वेलकम के लिए परिवार वालों ने ग्रैंड तैयारी की थी। कपल के घर को खिलौने से सजाया गया था। घर में दीपिका और उनकी बेटी के लिए जरुरत का हर समान मौजूद था। हालांकि इस दौरान फैंस का दिल टूट गया, क्योंकि जब कपल हॉस्पिटल से बाहेर आ रहे थे, तब उनके फैंस वहीं मौजूद थे। फैंस कपल की बेटी का चेहरा देखना चाहते थे। हालांकि ऐसा हो न सका।

'हॉलीवुड मूवी की कॉपी नहीं है फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो'

'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' फिल्म रिलीज होने से पहले ही सुर्खियों में आ गई है। दरअसल राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म पर हॉलीवुड की एक मूवी की कॉपी होने का आरोप लग रहा था। अब खुद फिल्म के डायरेक्टर राज शांडिल्य ने सामने आकर बयान दिया है और बताया है कि यह हॉलीवुड फिल्म 'सेक्स टेप' की कॉपी नहीं है बल्कि उन्होंने वह फिल्म देखी तक नहीं है। राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग मूवी 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' का ट्रेलर जारी हुआ था। जिसके बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। लेकिन इसी बीच फिल्म के हॉलीवुड मूवी (सेक्स टेप) की कॉपी होने का आरोप भी सामने आया। जिस पर डायरेक्टर ने खुद सफाई दी और बताया कि उन्होंने सेक्स टेप नाम की फिल्म देखी ही नहीं है। जिसकी कॉपी होने का आरोप 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' फिल्म पर लगाया जा रहा है।

'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के फिल्म डायरेक्टर राज शांडिल्य का कहना है कि यह फिल्म 1990 के एक ऐसे नव विवाहित जोड़े की कहानी पर आधारित है जिनकी पहली रात की वीडियो की सीडी खो जाती है और वह इसी को ढूंढ रहे हैं। फिल्म की कहानी यूनिक है ऐसे में फिल्म की कहानी पर कॉपी का आरोप लगान गलत है। आपको बता दें कि साल 2014 में हॉलीवुड की एक मूवी सेक्स टेप सामने आई थी, जिसमें कुछ इसी तरह की कहानी को दिखाया गया था। इस फिल्म में जैसोन सीगल और कैमरन डियाज ने मुख्य भूमिका निभाई थी और यही कारण है की 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' पर इसी फिल्म से इंस्पायर होने का आरोप लगा। तब आखिरकार निर्देशक को सामने आकर सफाई देनी पड़ी कि ऐसा बिल्कुल नहीं है दोनों कहानी बेहद अलग है।

जाह्नवी कपूर बॉलीवुड के साथ साउथ इंडस्ट्री में भी मचाएंगी धमाल

जाह्नवी कपूर ने फिल्म 'धड़क' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद जाह्नवी लगातार आगे बढ़ रही हैं। अब वो बॉलीवुड के बाद साउथ इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रही हैं। आज हम आपको जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए जानते हैं जाह्नवी की 2024 और 2025 में रिलीज होने वाली मूवीज के बारे में...

देवरा: जाह्नवी कपूर साउथ की फिल्म 'देवरा' में नजर आने वाली हैं। मूवी में जाह्नवी के साथ जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। ये फिल्म 27 सितंबर, 2024 में रिलीज होगी।

आरसी 16: जाह्नवी कपूर की झोली में एक और बड़ी फिल्म हैं। वो सुपरस्टार राम चरण के साथ 'आरसी 16' में नजर आने वाली हैं। इसका निर्देशन बुच्ची बाबू करने वाले हैं। ये फिल्म 26 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

नानी 33: नानी 33 श्रीकांत ओडेला द्वारा निर्देशित एक तेलुगु एक्शन एंटरटेनर फिल्म है। इस फिल्म में एक्टर नानी और जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। ये फिल्म 14 अप्रैल, 2025 को रिलीज होगी।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी: जाह्नवी कपूर की एक बार फिर वरुण धवन के साथ जोड़ी बनने वाली है। ये दोनों स्टार फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आएंगे। ये मूवी 18 अप्रैल, 2025 को सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज होगी।

बता दें कि जाह्नवी साउथ सुपरस्टार सूर्या के साथ 'कर्ण' फिल्म में नजर आने वाली थीं। रिपोर्ट के अनुसार ये 350 करोड़ की फिल्म डिब्बाबंद हो गई है। साथ ही उनके हाथ से एक और फिल्म 'तख्त' भी निकल गई है। ये फिल्म भी बनने से पहले ही बंद हो गई। इस साल 2024 में जाह्नवी की 'उलझ', और 'मिस्टर एंड मिसेज माही' सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज हुई है।

फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' में होगा बी प्राक का सॉन्ग

फरहान अख्तर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म '120 बहादुर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग लद्दाख में चल रही है। इस फिल्म में फरहान अख्तर सेना के अधिकारी मेजर शैतान सिंह की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। फिल्म को रजनीश घई डायरेक्ट कर रहे हैं। फरहान अख्तर ने शूटिंग से जुड़ी लेटेस्ट तस्वीर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा की कमेंट में लोग बी प्राक के सॉन्ग के बारे में बात करने लगे हैं। इस तस्वीर में टीम कैसे कम कर रही है यह दिखाया गया है।

फरहान ने बताया कि टीम मन लगाकर काम कर रही है। फरहान अख्तर ने जो तस्वीर साझा की है वह लद्दाख की फोटो है। जहां इस समय फिल्म की शूटिंग चल रही है। फोटो में फरहान अख्तर क्रू मेंबर्स के साथ खड़े हुए नजर आ रहे हैं। कैप्शन में फरहान अख्तर ने लिखा है.. क्रू एट वर्क. आपको बता दें फरहान अख्तर की अपकमिंग फिल्म '120 बहादुर' साल 1962 में भारत और चीन के बीच हुए युद्ध पर आधारित है। जिसमें परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह और उनकी चार्ली कंपनी के वीरों को साहस और बलिदान की कहानी को दिखाया गया है। इस युद्ध को रेजांगला युद्ध का नाम दिया गया। फरहान अख्तर इससे पहले भी सच्ची घटना पर आधारित फिल्मों में काम कर चुके हैं। ऐसे में यह फिल्म भी उनके करियर के लिए मिल का पत्थर साबित होगी यह उम्मीद फैंस कर रहे हैं। फिल्म को लेकर लोगों की एक्साइटमेंट बढ़ी हुई है। वहीं जो ताजा तस्वीर फरहान अख्तर ने फिल्म के सेट से जारी की है उस पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट किया है और कमेंट में फिल्म के भीतर बी प्राक के सॉन्ग को लेने की गुजारिश यूजर्स करते हुए नजर आ रहे हैं। यूजर्स का यह मानना है कि बी प्राक का गाना अगर फिल्म में आ जाएगा तो फिल्म की जान बढ़ जाएगी।

दो बजे दोपहर

इंडिया&वर्ल्ड

न्यूज ब्रीफ

तेज रफ्तार ट्रक की कार से भीषण टक्कर, 7 की मौत और 3 घायल

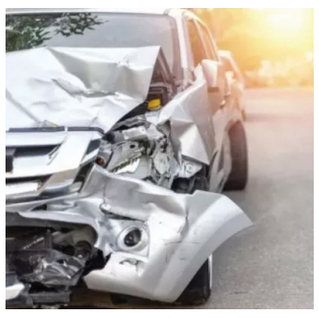

जयपुर। राजस्थान के बूंदी में रविवार की भोर करीब चार बजे ट्रक और कार की टक्कर में कार सवार मध्य प्रदेश के देवास निवासी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए।घायलों में एक की हालत गंभीर है, जिसे कोटा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में फंसे शवों को बड़ी मुश्किल से क्रेन की मदद से बाहर निकाला जा सका। कार सवार देवास से राजस्थान में सीकर के धार्मिक स्थल खाटूश्याम जी दर्शन करने जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि कार बूंदी जिले के हिंडौली पहुंची थी कि गलत दिशा से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी।

कोलकाता कांड : संदीप घोष-SHO अभिजीत मंडल को CBI ने अदालत में किया पेश

कोलकाता। आज CBI ने कोलकाता स्थित आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक से कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में चिकित्सकीय संस्थान के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और ताला थाने के प्रभारी अभिजीत मंडल को रविवार को यहां एक अदालत में पेश किया। CBIने इस मामले में शनिवार को संदीप घोष के खिलाफ साक्ष्यों से छेड़छाड़ का आरोप जोड़ा था। घोष भ्रष्टाचार के एक मामले में इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने मंडल को भी गिरफ्तार किया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि मंडल को सबूतों से छेड़छाड़ करने और प्राथमिकी दर्ज करने में देरी समेत अन्य आरोपों के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, 'हम सियालदह अदालत में उनकी हिरासत का अनुरोध करेंगे।' अधिकारियों ने बताया कि सियालदह अदालत के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

अनिल विज ने सीएम की कुर्सी पर ठोका दावा

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक रस्साकशी लगातार बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में, पूर्व कैबिनेट मंत्री और अंबाला छावनी से विधायक अनिल विज ने मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोक दिया है। रविवार को उन्होंने कहा, 'भाजपा में सबसे सीनियर होने के नाते मैं यह मांग रखूंगा कि अगर पार्टी सत्ता में आए तो उन्हें सीएम बनाया जाना चाहिए।' 6 बार विधायक रहे विज इस बार अंबाला कैंट से चुनावी ताल ठोक रहे हैं। चुनाव कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। साथ ही अपनी इच्छा भी जाहिर कर दी। अनिल विज ने कहा कि इससे पहले उन्होंने कभी भी पार्टी के सामने कोई मांग नहीं रखी है। उन्होंने कहा, 'मेरे निर्वाचन क्षेत्र और दूसरी जगहों से भी लोग मेरे पास आ रहे हैं। वे कहते हैं कि सबसे सीनियर होने के बावजूद मैं मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता। इसलिए लोगों की मांग और अपनी वरिष्ठता के आधार पर मैंने आवाज उठाई। सीएम बनने के लिए मैं अपने दावे को आगे बढ़ाऊंगा।' पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि अगर सरकार और पार्टी उन्हें टॉप पोस्ट के लिए चुना तो वह हरियाणा का चेहरा बदलकर रख देंगे।

खराब मौसम के बीच जमशेदपुर पहुंचे पीएम मोदी

बोले- JMM, RJD और कांग्रेस झारखंड के दुश्मन

एजेंसी । जमशेदपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज झारखंड दौरे पर हैं। रांची से उन्होंने प्रदेश को 6 वंदे भारत ट्रेनों की सौगात दी। इसके बाद वे सड़क मार्ग से जमशेदपुर पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैंने वादा किया था कि आमने सामने बात होगी। जब मैं सुबह रांची पहुंचा तो मौसम ज्यादा खराब हो गया, हेलिकॉप्टर उड़ नहीं सकता था। हालांकि सभा में पीएम मोदी ने एक-एक नेता पर चुन-चुन कर सवाल दागा। इस लिए मैंने तय किया कि सड़क के रास्ते ही जमशेदपुर जाऊंगा। रास्ते भर बारिश भी अपने आशीर्वाद बरसा रही थी और भींगते हुए भारी बारिश के बीच लोग पूरे रास्ते में खड़े थे। ये प्यार ये आशीर्वाद मेरे जीवन की बहुत बड़ी पूंजी है।

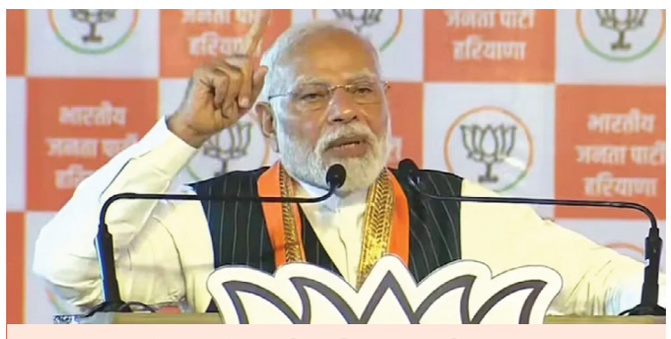

तेज बारिश भी नहीं बन सकी बाधा

मोदी ने कहा कि बारिश कितनी ही तेज क्यों न हो, रुकावटें कितनी ही ज्यादा क्यों न हो, लेकिन कोई भी रुकावट मुझे आपसे अलग नहीं कर सकती है। मैं आपके दर्शन किए बिना वापस नहीं जा सकता हूं, इसलिए सड़क मार्ग से ही आप सबके दर्शन करने पहुंच गया। क्रांति और बलिदानों की ये धरती, भगवान बिरसा मुंडा के तप, त्याग और आशीर्वाद की ये धरती है। मैं झारखंड की इस महान धरती को प्रणाम करता हूं।

आवास योजना की जिक्र

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज झारखंड के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के जरिए पक्के घर भी मिले हैं। इनमें से ज्यादातर घर मेरी माताओं-बहनों के नाम पर हैं। आज आपका ये भाई करमा पर्व के अवसर पर अपनी बहनों को अपने पक्के घर का उपहार देकर धन्य हो गया है।

झारखंड की जनता को धन्यवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव में सारा विपक्ष मोदी को हराने के लिए बेचैन था। पूरी जमात, बड़े-बड़े षड़यंत्र, बड़ी-बड़ी साजिशें, झूठ की इतनी बड़ी मशीनरी, देश को बांटने और तोड़ने वाली ताकतें हों, लेकिन आपका आशीर्वाद उन सब पर भारी पड़ा। मैं आपके इस प्यार और आशीर्वाद के लिए भी आपका धन्यवाद करता हूं।

झारखंड के तीन सबसे बड़े दुश्मन

मोदी ने कहा कि झारखंड के तीन सबसे बड़े दुश्मन हैं JMM, RJD और कांग्रेस। झारखंड के निर्माण का बदला आज भी RJD झारखंड से उतारती है और कांग्रेस को तो झारखंड से नफरत है ही ये JMM वाले जिन्होंने आदिवासियों के वोट से अपनी राजनीति चमकाई, आज वो किसके साथ खड़े हैं? ये लोग आदिवासियों के जंगल जमीन पर कब्जा करने वालों के साथ हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि JMM और कांग्रेस जैसे दलों को आपका वोट नहीं चाहिए। ये दल मजहब के नाम पर अपना वोटबैंक बनाना चाहते हैं। यही समय है, हमें इस खतरे को यहीं पर रोकना होगा।

चंपई पर भी दागा सवाल

मोदी ने कहा, कि JMM के लिए आदिवासी समाज का सम्मान नहीं अपना सियासी फायदा सबसे ऊपर है। आज झारखंड का गरीब आदिवासी पूछ रहा है क्या चंपई सोरेन जी आदिवासी नहीं थे क्या? क्या वो एक गरीब परिवार से नहीं आते थे क्या? लेकिन जिस तरह उन्हें अपमानित किया गया। जिस तरह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कब्जा करने के लिए उन्हें अपमानित करते हटाया गया, उससे झारखंड के हर गरीब आदिवासी के दिल को गहरी चोट पहुंची है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में ताजा मुठभेड़, पुंछ में अभियान समाप्त

एजेंसी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के एक वन क्षेत्र में रविवार को आतंकवादियों और पुलिस के बीच ताजा मुठभेड़ शुरू हो गई, जबकि पुंछ जिले में गत रात से चल रही मुठभेड़ समाप्त हो गई, जिसमें एक आतंकवादी के घायल होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आज दोपहर कठुआ जिले के बानी इलाके के नुकनाली नाला में पुलिस के तलाशी दल पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि पुलिस दल ने जवाबी गोलीबारी की और अंतिम खबर मिलने तक वहां मुठभेड़ जारी थी।

इलाके की घेराबंदी अब भी जारी

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की घेराबंदी करने तथा उन्हें निष्क्रिय करने में मदद के लिए अतिरिक्त बल भेजा गया है। पुंछ में अधिकारियों ने बताया कि मेंढर उपमंडल के गुरसाई टॉप के निकट पठानतीर इलाके में रातभर चली मुठभेड़ दोपहर के आसपास समाप्त हो गई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल के पास खून के धब्बे मिले हैं जिससे पता चलता है कि एक आतंकवादी घायल हो गया है। उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी अब भी जारी है और आतंकवादियों की तलाश के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

आतंकवादियों ने सुरक्षा कर्मियों पर की गोलीबारी

अधिकारियों ने बताया कि दो से तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की गोपनीय सूचना मिलने के बाद पुलिस और सेना ने शनिवार शाम को इलाके में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा कर्मियों पर गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई और यह गोलीबारी रविवार दोपहर तक रुक-रुक कर जारी रही।

'आप'-बीजेपी की तकरार, जंग होगी आर-पार

अरविंद केजरीवाल के बाहर आते ही तेज हुई सियासत

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की रिहाई के बाद से ही यहां की सियासत गरमाई हुई है। दोनों ही पार्टियों के नेता एक दूसरे पर वार पलटवार कर रहे हैं। रविवार को अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान के बाद बीजेपी नेता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन पर हमला बोला। जिसके बाद आम आदमी पार्टी की तरफ से सौरभ भारद्वाज ने भी करारा पलटवार किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान के बाद आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि बीजेपी प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने केजरीवाल को दोषी करार दिया है, जबकि अभी ट्रायल भी शुरू नहीं हुआ है। केजरीवाल सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सुधांशु त्रिवेदी को अपनी जुबान पर काबू रखने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि सुधांशु त्रिवेदी को अपना इलाज करवाना चाहिए, नहीं तो उन्हें इलाज करना आता है। सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'दोषी करार का मतलब है दोषी घोषित होना, अरविंद केजरीवाल का ट्रायल भी शुरू नहीं हुआ है और आपने उन्हें दोषी घोषित कर दिया।

इलाज करवाएं नहीं तो कर देंगे इलाज

सौरभ ने कहा कि सुधांशु त्रिवेदी को अपना इलाज करवाना चाहिए, नहीं तो हमें उनका इलाज करना आता है। मैं उन्हें अपनी जुबान पर काबू रखने की चेतावनी देता हूं।' केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान के बाद सौरभ भारद्वाज ने आतिशी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सुधांशु त्रिवेदी पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं। मैं केजरीवाल के लिए दोषी शब्द के इस्तेमाल पर सख्त ऐतराज करता हूं। उन्हें इतनी समझ होनी चाहिए। वे सांसद हैं।'

क्या बोले थे सुधांशु त्रिवेदी?

भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने इस्तीफे के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पहले ऐसे सीएम हैं जो पद पर रहते हुए जेल गए और वे पहले ऐसे सीएम हैं जिन्हें कोर्ट ने मुख्यमंत्री कार्यालय जाने से रोका। केजरीवाल पर खुद की तुलना भगत सिंह से करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, 'शराब घोटाले के आरोपी द्वारा खुद की तुलना भगत सिंह, शहीद-ए-आजम भगत सिंह से करने से बड़ा मजाक और क्या हो सकता है और देश के लिए कुर्बानी देने वालों की आत्मा को कितनी पीड़ा हो रही होगी।' सुधांशु ने आगे कहा कि यह वही देश है जिसके लिए महाराणा प्रताप ने घास की रोटी खाई थी। जिसके लिए लक्ष्मीबाई युद्ध में कूद पड़ी थीं, जिसके लिए भगत सिंह को फांसी पर लटका दिया गया था, ताकि आज भ्रष्टाचार का आरोपी एक अपराधी उनके नाम का इस्तेमाल कर सके। ऐसा करके एक दोषी मुख्यमंत्री ने, मैं कह सकता हूं, शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। यह आपत्तिजनक, निंदनीय और दर्दनाक है।

रवनीत सिंह बिट्टू का विवादित बयान

'राहुल गांधी देश के नंबर वन आतंकी, पकड़ने के लिए रखें इनाम'

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस लीडर राहुल गांधी को आतंकवादी बताया है। नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए बिट्टू ने कहा, 'राहुल गांधी ने सिखों को बांटने का प्रयास किया है। सिख किसी पार्टी से जुड़ा हुआ नहीं है, मगर चिंगारी लगाने की कोशिश हो रही है। राहुल गांधी देश के नंबर वन टेररिस्ट हैं।' भाजपा नेता ने कहा कि वे लोग जो हर वक्त मारने की बात करते हैं, जहाजों-ट्रेनों को उड़ाने की बात करते हैं... वे राहुल गांधी के समर्थन में आ गए हैं। ऐसे में आप अंदाजा लगा लीजिए। मेरे ख्याल से अगर किसी को पकड़ने के लिए इनाम होना चाहिए तो वो राहुल गांधी हैं। उन्होंने राहुल गांधी को देश का सबसे बड़ा दुश्मन भी बताया। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, 'राहुल गांधी भारतीय नहीं हैं, उन्होंने अपना ज्यादातर समय बाहर बिताया है। उन्हें अपने देश से ज्यादा प्यार नहीं है, क्योंकि वह विदेश जाकर हर बात को गलत तरीके से कहते हैं। जो लोग मोस्ट वांटेड हैं, अलगाववादी हैं, बम, बंदूक और गोले बनाने में माहिर हैं, उन्होंने राहुल गांधी के बयानों की सराहना की है।' मंत्री ने कहा कि कांग्रेस केवल इधर-उधर की बातें करती है। जबकि राहुल गांधी पहली बार संसद में विपक्ष के नेता बने हैं। वे कभी सिख की असुरक्षा की बात करते हैं तो कभी समाज के बिखराव की बात करते हैं। उनका ऐसा व्यवहार माफ करने लायक नहीं है।

देश को तोड़ने में लगे हुए हैं राहुल गांधी: बिट्टू

रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि राहुल गांधी में गंभीरता नहीं है। राहुल गांधी हो या उनके पार्टी के अन्य नेता, सभी देश को तोड़ने में लगे हुए हैं। कांग्रेस को देश की सुरक्षा और करोड़ों जनता के हितों की चिंता बिल्कुल नहीं है। सिर्फ वोट के लिए कांग्रेस समाज में अशांति फैलाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मैंने काफी नजदीक से देखा है, परखा है। कांग्रेस के टिकट पर तीन बार सांसद रहा हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता और भाजपा के मूल मंत्रों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ली। पीएम मोदी के नेतृत्व वाले केंद्र सरकार में शामिल होकर रेल के क्षेत्र में देशवासियों की सेवा कर रहा हूं। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। बिट्टू ने रविवार को भागलपुर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, 'पीएम मोदी पर देशवासियों का पूरा भरोसा है और आज इसी भरोसे के बाबत वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेल सहित हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। फिर भी कांग्रेस के नेता इसकी आलोचना करने से बाज नहीं आते हैं।'

जादू-टोना के शक में 3 महिला समेत पांच को उतारा मौत के घाट

सुकमा। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल सुकमा जिले के एक गांव में रविवार को जादू-टोना करने के शक में दो दंपती समेत एक अन्य महिला की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि हत्या के सिलसिले में एक ही गांव के पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। यह घटना कोंटा थाना क्षेत्र के एकतल गांव में हुई है। मरने वालों के नाम मौसम कन्ना और उसकी पत्नी मौसम बिरी, मौसम बुच्चा और उसकी पत्नी मौसम आरजू हैं। इसके साथ एक अन्य महिला है जिसका नाम लच्छी है। पुलिस ने बताया कि हत्या की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम सवलम राजेश, सवलम हिड़मा, करम सत्यम, कुंजम मुकेश और पोडियाम एंका हैं। पुलिस ने बताया कि इसी तरह की एक घटना राज्य के बलौदाबाजार-भाटपारा जिले में बृहस्पतिवार को सामने आई थी। इसमें कथित तौर पर जादू-टोने के शक में 11 महीने के शिशु समेत एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई थी।

निपाह वायरस से एक व्यक्ति की मौत

स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने की पुष्टि

एजेंसी । मलप्पुरम

केरल के मलप्पुरम जिले के एक निजी अस्पताल में हाल में 24 वर्षीय व्यक्ति की निपाह वायरस संक्रमण से मौत हो गई। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को यह जानकारी दी। जॉर्ज ने कहा कि क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी द्वारा मौत के कारणों की जांच करने पर निपाह संक्रमण का संदेह हुआ।

मंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'उपलब्ध नमूनों को तुरंत परीक्षण के लिए भेजा गया और परिणाम में संक्रमण की पुष्टि हुई।' बेंगलुरु से राज्य पहुंचे मलप्पुरम निवासी की नौ सितंबर को मृत्यु हो गई, जिसके बाद उसके उपलब्ध नमूनों को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा गया था।

मलप्पुरम के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि कोझिकोड मेडिकल कॉलेज के नतीजों में संक्रमण पाया गया, जिसके बाद शनिवार रात को ही स्वास्थ्य मंत्री ने एक उच्च स्तरीय बैठक की और प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक कदम उठाए। इस बीच, रविवार को पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) के नतीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई।

मंत्री ने कहा कि शनिवार रात को ही

16 समितियां बनाई गईं और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए 151 लोगों की सूची भी बनाई गई। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने दोस्तों के साथ विभिन्न स्थानों की यात्रा कर चुका था और उसके करीबी संपर्क में आए लोगों को पृथकवास में रखा गया है। जॉर्ज ने कहा, 'पृथकवास में रखे गए पांच लोगों में हल्का बुखार और लक्षण पाए गए हैं। उनके नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं।' निपाह संक्रमण का इलाज करा रहे मलप्पुरम के एक लड़के की 21 जुलाई को मौत हो गई थी।

एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे

'एक देश, एक चुनाव' पर केंद्र की NDA सरकार गंभीर

एजेंसी । नई दिल्ली

भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल में ही 'एक देश, एक चुनाव' को लागू कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि राजग को भरोसा है कि इस सुधार को लेकर सभी दलों का समर्थन मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर यह जानकारी सामने आई है। सूत्रों ने बताया कि सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर एकजुटता शेष कार्यकाल में भी बनी रहेगी। एक सूत्र ने बताया, 'निश्चित रूप से इसे इसी कार्यकाल में लागू किया जाएगा। यह चर्चा वास्तविक होने वाली है।' पीएम मोदी ने पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में 'एक देश, एक चुनाव' की जोरदार वकालत की थी। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न हो रही है। मोदी ने कहा था, 'राष्ट्र को 'एक देश, एक चुनाव' के लिए आगे आना होगा।' प्रधानमंत्री ने राजनीतिक दलों से लाल किले से और राष्ट्रीय तिरंगे को साक्षी मानकर राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित करने का आग्रह किया था।

कमेटी ने क्या दिए सुझाव

हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा की ओर से जारी चुनाव घोषणापत्र में उसने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को प्रमुख वादों के रूप में शामिल किया था। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति गठित की गई थी। इसने इस साल मार्च में पहले कदम के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की। समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की भी सिफारिश की।

विधि आयोग ने भी रखा पक्ष : इसके अलावा, विधि आयोग सरकार के सभी तीन स्तरों लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों जैसे नगर पालिकाओं व पंचायतों के लिए 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश कर सकता है। वह सदन में अविश्वास प्रस्ताव या अनिश्चितकाल तक बहुमत नहीं होने की स्थिति में एकता सरकार का प्रावधान करने की सिफारिश कर सकता है। कोविंद समिति ने एक साथ चुनाव कराने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की। उसने 18 संवैधानिक संशोधन करने की सिफारिश की जिनमें से अधिकांश को राज्य विधानसभाओं से मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।

केरलवासियों ने पारंपरिक तरीके से मनाया ओणम

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरलवासियों ने रविवार को राज्य में हर बार की तरह पूरे हर्षोल्लास के साथ ओणम फसल उत्सव मनाया। इससे पहले राज्य सरकार ने वायनाड में हाल में हुए विनाशकारी भूस्खलन के कारण आधिकारिक ओणम उत्सव नहीं मनाने की घोषणा भी की थी। हालांकि, राज्य में हमेशा की तरह पारंपरिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस खास मौके पर राज्यभर में कई कार्यक्रम और पारंपरिक खेल आदि का आयोजन भी किया गया, जिनमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

दस दिवसीय उत्सव के सबसे शुभ कहे जाने वाले दिन 'थिरुवोनम' के मौके

पर लोगों ने पारंपरिक कासवु साड़ी और मुंडू (धोती) पहनी और सुबह के समय गांवों व कस्बों में मंदिरों के दर्शन किए। ओणम उत्सव मनाने के दौरान युवाओं और बच्चों ने अपने घरों को रंग-बिरंगे कालीन बिछाकर सजाया और बुजुर्गों ने परिवार के अन्य सदस्यों को ओनाक्कोडी (नए कपड़े) भेंट किए।